RNI NO. PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

करें पढ़ाई के सिवा, टीचर सारे काम।
बिना पढ़ाये हो गया, कैसे इतना नाम।
कैसे इतना नाम, अजब इनके पैमाने।
उत्तम श्रेणी मिली, किस तरह रब ही जाने।
कह साहिल कविराय, नित्य होती रगड़ाई।
टीचर सब-कुछ करे, करा ना सके पढ़ाई।

प्रस्तुति : डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 03 | ISSUE 170 | MONDAY DATE 13-07-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

संक्षिप्त खबरें

हमारा मजहब अलग पर हमारे पूर्वज एक ही हैं : बाबा रामदेव

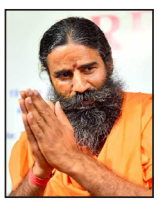

नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 जुलाई । दिल्ली विश्वविद्यालय में रविवार को आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान योग गुरु बाबा रामदेव ने कहा कि हमारे मजहब अलग हो सकते हैं लेकिन हमारे पूर्वज एक ही हैं। उन्होंने हिंदू राष्ट्र की चर्चा करते हुए मुसलमानों को आश्वस्त किया कि उन्हें किसी प्रकार का डर नहीं होना चाहिए। नॉर्थ कैंपस स्थित दिल्ली विश्वविद्यालय में जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती जी महाराज का 84वां प्राकट्य महोत्सव 'राष्ट्रोत्कर्ष दिवस' के रूप में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। समारोह में बाबा रामदेव, दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह, आचार्य धर्मवीर, आदिशंकराचार्य सनातन सेवा संस्थानम् फाउंडेशन के संदीप गर्ग सहित विभिन्न धर्मसंघों, पीठ परिषदों, आदित्य वाहिनी और आनंद वाहिनी के पदाधिकारी, देश-विदेश से आए संत-महात्मा, विद्वान और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बाबा रामदेव ने 2009 के एक कार्यक्रम का हवाला देते हुए कहा, 'किसी भी मुसलमान को डरने की जरूरत नहीं है। हमारे मजहब अलग हो सकते हैं लेकिन हमारे पूर्वज एक ही हैं।'

बिना किसी भेदभाव के लोगों की सेवा कर रही पीएम मोदी की सरकार: किरेन रिजिजू

देहरादून, यूटर्न/ 12 जुलाई । केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार 'सबका साथ, सबका विकास' की भावना से काम कर रही है, ताकि धर्म या समुदाय के आधार पर बिना किसी भेदभाव के प्रत्येक नागरिक का विकास सुनिश्चित किया जा सके। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में देहरादून के परेड ग्राउंड में पांच दिवसीय छठे लोक संवर्धन पर्व का उद्घाटन करते हुए रिजिजू ने कहा, 'यह महोत्सव कारीगरों, बुनकरों, शिल्पकारों और उद्यमियों के लिए अपनी प्रतिभा, पारंपरिक शिल्प कौशल और उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मंच के रूप में उभरा है।' पांच दिवसीय इस उत्सव में 150 से अधिक हस्तशिल्प और खाद्य स्टॉल, लाइव शिल्प प्रदर्शन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां शामिल हैं, जो पीएम विकास योजना के तहत उत्तराखंड सरकार के साथ साझेदारी में आयोजित पहले लोक संवर्धन पर्व का प्रतीक है। रिजिजू ने कहा, 'हमें देवभूमि उत्तराखंड की खूबसूरत राजधानी में इस संस्करण को लाने में बेहद खुशी हो रही है, जहां देश भर के कारीगर न केवल अपनी कृतियों का प्रदर्शन कर सकते हैं, बल्कि राज्य की गर्मजोशी और आतिथ्य का अनुभव भी कर सकते हैं।' उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार लोगों को धर्म के चश्मे से नहीं देखती, बल्कि हर नागरिक के साथ समान व्यवहार करती है।

दिल्ली की सीएम ने संशोधित पीएम-उदय के पहले चरण के लिए केंद्र सरकार से 100 करोड़ रुपए की मदद मांगी

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 जुलाई ।**

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल को पत्र लिखकर 'प्रधानमंत्री अनधिकृत कॉलोनी आवास अधिकार योजना' के संशोधित रूप को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए पहले चरण में केंद्र सरकार से 100 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता मांगी है।

'प्रधानमंत्री अनधिकृत कॉलोनी आवास अधिकार योजना (पीएम-उदय) केंद्र सरकार की एक खास योजना है, जिसका मकसद दिल्ली की अनधिकृत कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को कानूनी मालिकाना हक और प्रॉपर्टी ट्रांसफर का अधिकार देना है।

इस पहल से योग्य निवासी पक्के मालिकाना हक के कागजात पा सकते हैं। अपनी प्रॉपर्टी कानूनी तौर पर बेच सकते हैं और अपनी संपत्ति के बदले बैंक लोन ले सकते हैं। यह योजना जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी, वसीयत या बिक्री के समझौते के जरिए रखी गई प्रॉपर्टी को कानूनी रूप से मान्यता प्राप्त और रजिस्टर्ड मालिकाना हक वाले टाइटल में बदलने में भी मदद करती है।

इससे पहले अप्रैल में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'प्रधानमंत्री अनधिकृत कॉलोनी आवास अधिकार योजना' के तहत दिल्ली की अनधिकृत कॉलोनियों को 'जैसी हैं, वैसी हैं' के आधार पर नियमित करने के केंद्र के फैसले का स्वागत किया था। उन्होंने कहा था कि संशोधित ढांचे से लेआउट प्लान की पहले से मंजूरी लिए बिना 1,531 अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा था कि संशोधित नीति के तहत इन कॉलोनियों में मौजूद सभी प्लॉट और इमारतों को रिहायशी प्रॉपर्टी माना जाएगा। उन्होंने घोषणा की कि तय समय-सीमा के भीतर राजस्व अधिकारियों द्वारा संयुक्त सर्वे किए जाएंगे। योजना के अनुसार, दिल्ली विकास प्राधिकरण का जीआईएस सर्वे सात दिनों के भीतर पूरा किया जाएगा, कमियों को अगले 15 दिनों में दूर किया जाएगा और 45 दिनों के भीतर कन्वेयंस डीड (स्वामित्व हस्तांतरण विलेख) जारी किए जाएंगे। उन्होंने यह भी बताया था कि दिल्ली की 1,731 अनधिकृत कॉलोनियों में से 511 को तुरंत नियमित करने के लिए चुना गया था।

अप्रैल में केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल ने मंजूरशुदा लेआउट प्लान की पिछली जरूरत को खत्म करते हुए, 'जैसी हैं, वैसी हैं' के आधार पर 1,511 अनधिकृत कॉलोनियों को नियमित करने की घोषणा की थी। इस फैसले को राष्ट्रीय राजधानी में इन बस्तियों में रहने वाले 45 लाख से ज्यादा प्रवासी निवासियों के लिए एक बड़ी राहत के तौर पर देखा गया। केंद्रीय मंत्री ने यह भी संकेत दिया था कि सैनिक फार्म और अनंत राम डेयरी समेत 60 से ज्यादा अमीर अनधिकृत कॉलोनियों को भी नियमित करने पर विचार किया जाएगा। हालांकि, उन्होंने साफ किया था कि इन कॉलोनियों के निवासियों को ज्यादा शुल्क देना होगा, भले ही उन शुल्कों का ढांचा और समय-सीमा अभी तय नहीं की गई थी और उन्होंने कहा, हम ऐसा करेंगे। संशोधित पॉलिसी से उन लगभग 45 लाख निवासियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है जो अनधिकृत कॉलोनियों में रहते हैं। ये कॉलोनियाँ पिछले तीन-चार दशकों में खेती की जमीन पर बसी थीं, जिसकी मुख्य वजह राष्ट्रीय राजधानी में किफायती घरों की कमी और तेजी से होता शहरी विस्तार था।

कतर के पूर्व अमीर एक दूरदर्शी नेता थे, उनके निधन का दुख: पीएम मोदी

नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 जुलाई । भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कतर के 'फादर अमीर' शेख हमद बिन खलीफा अल थानी के निधन पर दुख जताया है। उन्होंने इसे अत्यंत पीड़ादायक बताया है। प्रधानमंत्री ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'हम (भारत) कतर के फादर अमीर, महामहिम शेख हमद बिन खलीफा अल थानी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं। वह एक दूरदर्शी नेता थे, जिनके नेतृत्व में कतर ने विकास और समृद्धि के नए आयाम हासिल किए। हम उन्हें एक सच्चे मित्र के रूप में भी याद करते हैं, जिनसे मुझे फरवरी 2024 में अपनी कतर यात्रा के दौरान मिलने का सम्मान प्राप्त हुआ था।' शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करते हुए उन्होंने आगे लिखा, 'मैं कतर के अमीर महामहिम शेख तमीम बिन हमद अल थानी, पूरे शाही परिवार और कतर की जनता के प्रति अपनी हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।' कतर के फादर अमीर कहे जाने वाले शेख हमद बिन खलीफा अल थानी के निधन की घोषणा कतर की सर्वोच्च सरकारी संस्था (अमीरी दीवान) ने रविवार को की। अमीरी दीवान ने कहा, 'ईश्वर के फैसले और नियति पर अटूट विश्वास के साथ, अमीरी दीवान राष्ट्र की इस महान क्षति पर शोक व्यक्त करता है। परमात्मा दिवंगत अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल थानी पर अपनी कृपा बनाए रखें, जिनका आज सुबह निधन हो गया।' शेख हमद ने 1995 से 2013 तक कतर पर शासन किया। उन्हें देश के आधुनिक विकास का निमार्ता माना जाता है।

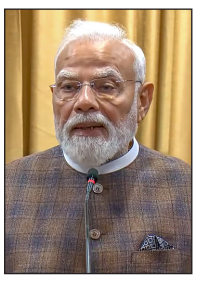

वनों से ही नदियां रहेंगी सदानीरा : योगी

» **गोरखपुर, यूटर्न/ 12 जुलाई ।**

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी नागरिकों को पौधरोपण की महत्ता समझाते हुए कहा कि एक वृक्ष अपने भीतर हजारों लीटर जल का अवशोषण करके रखता है। नदियां वहीं सदानीरा होती हैं, जहां वन या अधिक संख्या में वृक्ष होते हैं। यदि वृक्षों की अंधाधुंध कटान होगी तो जल की कमी से खाद्यान्न संकट खड़ा हो सकता है।

मुख्यमंत्री रविवार को पौधरोपण महायज्ञ 2026 के अंतर्गत आरकेबीके के समीप ताल रिंग रोड के किनारे मौलश्री का पौधा लगाने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पर्यावरण असंतुलन से वर्षा चक्र का अंतर बढ़ता है और इसका प्रतिकूल असर अन्नदाता किसान के लिए संकट पैदा करता है। बड़े पैमाने पर पेड़ों के कटान से पेयजल का संकट और सूखे की स्थिति बनती है। पर्यावरण संतुलन रखने के लिए अपने दायित्व का निवर्हन करने को हर नागरिक को 'एक पेड़ मां के नाम' थीम को समर्पित पौधरोपण महाभियान से जुड़ना होगा। हर व्यक्ति को पौधा लगाने के साथ ही उसकी सुरक्षा का संकल्प भी लेना होगा।

सीएम योगी ने कहा कि इस वर्ष एक ही दिन में सरकार ने 35 करोड़ पौधरोपण करने का लक्ष्य तय किया है। लक्ष्य बड़ा भले हो, लेकिन यूपी जैसे राज्य जहां 57 लाख से अधिक नर्सरियां हैं, के लिए यह मुश्किल नहीं है। पौधरोपण महाभियान में औषधीय, फलदार, छायादार, इमारती हर तरह के पौधे लगाए जा रहे हैं। प्रदेश सरकार ने हर वर्ष पौधरोपण के बड़े अभियान को आगे बढ़ाया है और पौधों की सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था की है।

केजरीवाल के लिए सुंदरकांड पाठ का आयोजन एक राजनीतिक छल से अधिक कुछ नहीं : हर्ष मल्होत्रा

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 जुलाई ।**

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने कहा है कि आम आदमी पार्टी एवं अरविंद केजरीवाल के लिए श्री सुंदरकांड पाठ का आयोजन एक राजनीतिक छल से अधिक कुछ नहीं है। वह दिल्ली में श्री सुन्दर कांड रख कर अपनी राजनीतिक स्थिति सुधारने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल की यह श्री राम मंदिर पर बोलने एवं श्री सुंदरकांड आयोजन की चाल कहीं ना कहीं पंजाब एवं अन्य राज्यों के आगामी चुनाव में हिन्दुओं को लुभाने का प्रयास है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा है कि दिल्ली एवं देश की जनता को आज भी अरविंद केजरीवाल का वो भाषण भली भांति याद है जब उन्होंने अपनी नानी की जुबानी कहा था की - जिस मंदिर को मस्जिद तोड़कर बनाया गया है वह वहां नहीं जाना चाहते। हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि हम दिल्ली वालों को वो दिन भी याद है जब 2024 में अयोध्या में श्री राम मंदिर निर्माण के बाद अपने राजनीतिक लाभ के लिए केजरीवाल के हिंदुत्व के बाद तत्कालीन 'आप' सरकार ने पहले दिल्ली के सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में साप्ताहिक श्री सुंदरकांड पाठ आयोजन की घोषणा की, पर सिर्फ 16 जनवरी 2024 को एक बार लगभग 50 विधानसभा क्षेत्रों में पाठ किया। फिर कभी कहीं एकाध पाठ के बाद भूल गए। मार्च 2024 में 'आप' सरकार ने एक साथ 2600 स्थानों पर श्री सुंदरकांड पाठ आयोजन की घोषणा की पर शायद 26 स्थानों पर भी पाठ नहीं हुआ।

अपनी अक्षमता और कुशासन को छिपाने के लिए अनर्गल बयान दे रहे उमर अब्दुला: सुधांशु त्रिवेदी

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 जुलाई ।**

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और सत्तारूढ दल नेशनल कॉन्फ्रेंस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आज जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बेहद गैरजिम्मेदाराना और निंदनीय बयान दिया है। बिना कोई सबूत पेश किए उन्होंने बेबुनियाद आरोप लगाने की कोशिश की है कि भाजपा विधायकों को उनकी पार्टी से अलग करने की कोशिश कर रही है... इस तरह के निराधार आरोप प्रशासनिक अक्षमता, अयोग्यता और कुशासन जैसे मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास प्रतीत होते हैं। हम इन टिप्पणियों की कड़ी निंदा करते हैं। हम उमर अब्दुल्ला से कहना चाहेंगे कि या तो वे अपने दावों के समर्थन में सबूत पेश करें या अपने बयान के लिए माफी मांगें... उन्होंने कहा कि वास्तविकता यह है कि जम्मू-कश्मीर में अपनी सरकार की अक्षमता और कुशासन को छिपाने के लिए और इन मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए इस प्रकार का अनर्गल आरोप उमर अब्दुल्ला ने लगाया है।

हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। हमारी मांग है कि या तो मुख्यमंत्री इन आरोपों के सबूत पेश करें या फिर अपने बयान के लिए माफी मांगे। भाजपा सांसद ने कहा कि मैं जम्मू-कश्मीर की सरकार से कहना चाहूंगा कि संवैधानिक पद पर बैठकर आप अपने कर्तव्य का निर्वहन करिए और जनता की सेवा करिए।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

सात साल की बच्ची को अगवा कर सामूहिक दुष्कर्म हत्या कर तीसरी मंजिल से फेंका शव

» गाजियाबाद, यूटर्न/ 12 जुलाई ।

नंदग्राम क्षेत्र में सात वर्षीय बच्ची की दरिंदगी के बाद निर्ममता से हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार रात दो आरोपी मासूम को चिप्स व कोल्ड ड्रिंक का लालच देकर एक निमार्णाधीन मॉल में ले गए। वहां तीसरी मंजिल पर उसके साथ दुष्कर्म किया और फिर राज खुलने के डर से हत्या कर नीचे फेंक दिया। बच्ची का शव लहूलुहान हालत में मॉल के तीसरे बेसमेंट में मिला। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि पकड़े गए आरोपियों ने गुनाह स्वीकार कर लिया है। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम शहाबुद्दीन निवासी जनपद अररिया बिहार, जबकि दूसरा नाबालिग है।

कार्यवाहक एसीपी नंदग्राम प्रियाश्री पाल के अनुसार, बिहार के नालंदा जिले का एक परिवार यहां झुग्गी में रहकर मजदूरी करता है। इन दिनों परिवार झुग्गी से कुछ दूर राजनगर एक्सटेंशन स्थित निमार्णाधीन मॉल में काम कर रहा है। शाम करीब साढ़े सात बजे उनकी बेटी लापता हो गई। दो घंटे तक तलाश करने के बाद भी बच्ची नहीं मिली तो उन्होंने नंदग्राम थाने में सूचना दी।

इसके बाद बच्ची के परिजन व अन्य मजदूर उसे तलाशते हुए निमार्णाधीन मॉल में पहुंचे। वहां रात करीब साढ़े 12 बजे बेसमेंट के तीसरे तल पर सीढ़ियों के पास खून से लथपथ शव मिला। शव पर केवल टॉप था, स्कर्ट गायब थी। पुलिस मौके पर पहुंची तो परिजनों ने चार युवकों पर बच्ची का अपहरण कर सामूहिक दुष्कर्म व हत्या का आरोप लगाया।

पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसमें झुग्गी में रहने वाले दो युवक बच्ची को ले जाते दिखाई दिए। बच्ची के हाथ में चिप्स का पैकेट और युवकों के हाथ में शराब व कोल्ड ड्रिंक थी। जांच में सामने आया कि दो आरोपी घटनास्थल पर पहले से मौजूद थे। उनकी तलाश की जा रही है।

पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त लोहे का पाइप, बच्ची के कपड़े और चप्पल बरामद कर लिए हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। डॉग स्क्वॉड और फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं।

सात साल की बच्ची को अगवा कर सामूहिक दुष्कर्म, हत्या कर तीसरी मंजिल से फेंका शव, दो आरोपी हिरासत में, दो की हो रही तलाश, चिप्स व कोल्ड ड्रिंक का लालच देकर ले गए थे मासूम को शोर मचाया तो सिर पर किया लोहे के पाइप से वार, निमार्णाधीन मॉल के तीसरे बेसमेंट में मिला लहूलुहान शव

बिहार के नालंदा जनपद का रहने वाला है पीड़ित परिवार, यहां नंदग्राम क्षेत्र में झुग्गी में रहकर करता है..

वारदात के बाद झुग्गियों में जाकर सो गए आरोपी

डीसीपी धवल जायसवाल के अनुसार, घटनास्थल पर दो आरोपियों की मौजूदगी के साक्ष्य मिले हैं। गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में बच्ची को चिप्स और कोल्ड ड्रिंक का लालच देकर निमार्णाधीन मॉल की तीसरी मंजिल पर ले जाने की बात स्वीकारी है। साथ ही बताया कि शराब पीने के बाद बच्ची के साथ दुष्कर्म किया और शोर मचाने पर उसके सिर पर लोहे के पाइप से वार कर हत्या कर दी। इसके बाद शव को लिफ्ट के लिए खाली छोड़े गए स्थान से फेंक दिया। इमारत में चार तल भूमि से ऊपर और तीन भूमि से नीचे बनाए जा रहे हैं। मासूम का शव सबसे निचले तल यानी छह मंजिल नीचे आकर गिरा था। पुलिस के अनुसार, वारदात को अंजाम देकर दोनों आरोपी अपनी-अपनी झुग्गी में जाकर सो गए। दोनों को वहीं से हिरासत में लिया गया।

'गौ सेवा केवल एक धार्मिक आस्था नहीं, बल्कि मानवता, पर्यावरण और समाज की सेवा का भी श्रेष्ठ माध्यम है : डीसी

डीसी ने परिवार संग की समालखा की गौशाला में गौ सेवा और चिकित्सालय का किया अवलोकन

» निर्मल सिंह विर्क

पानीपत, 12 जुलाई । डीसी डॉ हरीश कुमार वशिष्ठ ने रविवार को समालखा की भापरा रोड़ पर स्थित गौशाला में जाकर गौशाला की। उनके साथ उनकी धर्मपत्नी अनु वशिष्ठ,उनके पुत्र देव वशिष्ठ भी उपस्थित रहे। उन्होंने इस मौके पर चिकित्सालय का अवलोकन भी किया और खुले मन से इसकी प्रशंसा भी की।

डीसी डॉ हरीश कुमार वशिष्ठ ने कहा कि भारत में प्राचीन काल से ही गौ माता को विशेष सम्मान प्राप्त है। वेदों, पुराणों और अन्य धार्मिक ग्रंथों में गाय को समृद्धि, करुणा और जीवनदायिनी शक्ति का प्रतीक माना गया है। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति में गौ सेवा को पुण्य और लोककल्याण का कार्य माना गया है।गाय हमें दूध, दही, घी, मक्खन और छाछ जैसे पौष्टिक खाद्य पदार्थ प्रदान करती है, जो मानव स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। इसके अतिरिक्त गोबर और गोमूत्र का उपयोग जैविक खेती, प्राकृतिक खाद, ऊर्जा उत्पादन तथा अनेक पारंपरिक औषधीय प्रयोगों में किया जाता है। इस प्रकार गाय ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान देती है।

उन्होंने कहा कि गौ सेवा का वास्तविक अर्थ केवल गाय की पूजा करना नहीं, बल्कि उसके भोजन, पानी, स्वास्थ्य और संरक्षण का ध्यान रखना है। घायल, बीमार अथवा बेसहारा गायों की देखभाल करना, गौशालाओं का सहयोग करना तथा उनके प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाना ही सच्ची गौ सेवा है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को यह समझना चाहिए कि पशुओं के प्रति दया और करुणा मानवता का मूल गुण है। आज के समय में बढ़ते शहरीकरण और बदलती जीवनशैली के कारण अनेक गौवंश उपेक्षा का शिकार हो रहे हैं। सरकार ने भी गौ सेवा आयोग का गठन किया है ताकि गौशालाओं को आर्थिक तौर पर सक्षम बनाया जा सके। सरकार द्वारा गौशालाओं को अनुदान भी प्रदान किया जा रहा है। सामाजिक संस्थाओं और आम नागरिकों को मिलकर गौ संरक्षण और गौ सेवा के लिए आगे आना चाहिए।

डॉ. अंबेडकर के संविधान ने देश को समानता का अधिकार दिया, भाजपा संविधान की मूल भावना को कमजोर करने में लगी है : एडवोकेट लाल बहादुर खोवाल

हरियाणा, यूटर्न/ 12 जुलाई । हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अनुसूचित जाति विभाग के तत्वावधान में कांग्रेस भवन पानीपत में 'प्रथम कानूनविद चिंतन बैठक' का आयोजन किया गया।इस बैठक में एडवोकेट लाल बहादुर खोवाल के नेतृत्व में हिसार से एडवोकेट बजरंग इंदल, एडवोकेट विनोद गुरी, जगदीश बिश्नोई,विकास आदि वकीलों और सामाजिक कार्यकताओं की टीम ने भाग लिया।'कानूनी नवाचार और सामाजिक न्याय : आज के परिप्रेक्ष्य में न्याय की स्थिति एवं अनुसूचित जाति पर बढ़ती हिंसा' विषय पर आयोजित इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में संविधान की रक्षा, अनुसूचित जाति समाज के अधिकारों, न्याय व्यवस्था में सुधार तथा कानून के प्रभावी क्रियान्वयन पर गंभीर मंथन हुआ।

आचार्य डॉ. महेन्द्र शर्मा 'महेश' ने 17 जुलाई को प्रस्तावित हाइड्रोजन ट्रेन शुभारंभ के मुहूर्त पर उठाए सवाल,वैदिक परंपराओं और ज्योतिषीय मान्यताओं के पालन पर दिया जोर

उपशीर्षक :गलत मुहूर्त में शुभ कार्यों से राष्ट्र को उठानी पड़ती है हानि : आचार्य डॉ. महेन्द्र शर्मा 'महेश'

» पानीपत, यूटर्न/ 12 जुलाई ।

ज्योतिषाचार्य आचार्य डॉ. महेन्द्र शर्मा 'महेश' ने कहा है कि राष्ट्रहित और समाजहित से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णयों एवं परियोजनाओं के शुभारंभ में वैदिक परंपराओं और मुहूर्त विज्ञान की उपेक्षा नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल हिन्दुत्व की चर्चा करने या उसका राजनीतिक उपयोग करने से देश को मानसिक, आध्यात्मिक और आर्थिक हानि उठानी पड़ सकती है। यदि वास्तव में हिन्दुत्व की स्थापना करनी है तो धर्म के सिद्धांतों और शास्त्रीय मान्यताओं का पालन आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि जब विषय राष्ट्रकल्याण का हो, तब समाज के विद्वानों और विशेष रूप से ब्राह्मण समाज को मूकदर्शक नहीं बने रहना चाहिए, बल्कि अपने ज्ञान और अनुभव के आधार पर समाज एवं शासन का मार्गदर्शन करना चाहिए।

आचार्य डॉ. महेन्द्र शर्मा ने दावा किया कि भारत पहले भी कुछ महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अवसरों पर गलत मुहूर्तों के कारण प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना कर चुका है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में श्रीराम मंदिर के भूमि पूजन, शिलान्यास और मूर्ति स्थापना के समय निर्धारित मुहूर्तों को लेकर भी उन्होंने आपत्तियां दर्ज कराई थीं। उनका कहना है कि वर्ष 2019 में शिलान्यास मुहूर्त के संबंध में उनसे राय मांगी गई थी और उन्होंने उस समय भी इसे शुभ नहीं माना था।

उन्होंने 6 सितंबर 2019 को चंद्रयान-2 की लैंडिंग का उल्लेख करते हुए कहा कि उस दिन चंद्रमा ज्येष्ठा गण्डमूल नक्षत्र में तथा नीचस्थ स्थिति में था और उनके अनुसार यह मुहूर्त अनुकूल नहीं था।

आचार्य डॉ. महेन्द्र शर्मा ने कहा कि 17 जुलाई 2026 को देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन के शुभारंभ के लिए भी शुभ मुहूर्त नहीं बन रहा है। उनके अनुसार 15 जुलाई से गुरु अस्त हो रहे हैं और 9 अगस्त को पुनः उदित होंगे। इस अवधि में शास्त्रीय मान्यताओं के अनुसार शुभ कार्यों और मांगलिक आयोजनों से परहेज किया जाता है।

उन्होंने बताया कि 17 जुलाई को व्यतिपात योग रहेगा, जिसे शुभ कार्यों के लिए उपयुक्त नहीं माना जाता। इसके अतिरिक्त उसी दिन चतुर्थी तिथि प्रातः 6:28 बजे से अगले दिन प्रातः 4:43 बजे तक रहेगी, जिसे रिक्ता तिथि माना जाता है और इसमें भी शुभ कार्य नहीं किए जाते।

आचार्य डॉ. महेन्द्र शर्मा के अनुसार शुक्रवार को पड़ने वाली प्रविष्ट द्वितीया तिथि को 'मृत्युदा योग' कहा जाता है और इस दिन भी शुभ कार्यों से बचने की सलाह दी जाती है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्र के बड़े निर्णयों और परियोजनाओं में वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ-साथ भारतीय ज्योतिषीय परंपराओं और धार्मिक मान्यताओं का भी सम्मान किया जाना चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

फुटपाथ पर बने रेस्तरां की इलेक्ट्रिक चिमनी में धधकी आग

साहिबाबाद, यूटर्न/ 12 जुलाई । शालीमार गार्डन एक्सटेंशन दो के सी ब्लॉक में फुटपाथ पर संचालित रेस्तरां की इलेक्ट्रिक चिमनी में शनिवार शाम अचानक आग लग गई। चिमनी से काला धुआं निकलता देख अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची दमकल की दो गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। इस दौरान राहगीरों से लेकर दुकानदारों अफरा-तफरी मच गई। आरोप है कि रेस्तरां में फायर सेफ्टी सिस्टम के भी पुख्ता इंतजामात नहीं मिले हैं।

प्रेम विवाह के बाद ससुराल वालों पर उत्पीड़न का आरोप

कौशांबी, यूटर्न/ 12 जुलाई । थानाक्षेत्र स्थित सीमांत विहार निवासी रेनुका ने अपनी ननद गरिमा यादव, नंदोई विरेंद्र यादव और छोटी ननद भावना यादव के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। मामला 9 जून 2026 का है, पुलिस ने 11 जुलाई को प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की है। दर्ज मामले में रेनुका ने बताया कि उन्होंने रणविजय यादव से प्रेम विवाह किया था। 9 जून को जब वह पति के साथ ससुराल पहुंची तब दोनों ननदों ने उन्हें जातिसूचक शब्द कहते हुए मारपीट की। पति ने उन्हें बचाया। आरोप है कि नंदोई वीरेंद्र यादव ने उन्हें अपहरण कर जान से मारने की धमकी दी। साथ ही पीड़िता ने पति की दूसरी शादी कराने की आशंका जताई है। एसीपी इंदिरापुरम सूर्यबली मौर्य ने बताया कि मामले की जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली पुलिस ने कीचड़ उछलने को लेकर हुई हत्या के सिलसिले में पांच नाबालिगों को हिरासत में लिया

नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 जुलाई । उत्तर-पश्चिम दिल्ली के अशोक विहार में एक व्यक्ति की हत्या के मामले में पुलिस ने पांच नाबालिग लड़कों को हिरासत में लिया है। आरोप है कि सभी लड़कों ने गुरुवार को गलती से कीचड़ उछलने के बाद 34 वर्षीय व्यक्ति की चाकू से हत्या कर दी थी। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज की जांच और स्थानीय आधार पर जुटाई गई जानकारी के बाद सभी पांच नाबालिग आरोपियों को हिरासत में लिया गया। उनसे वारदात में इस्तेमाल किया गया चाकू भी बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, पीड़ित बंसी लाल पुरानी दिल्ली की लाला लाजपत राय मार्केट में एक सीसीटीवी की दुकान पर काम करते थे। वे अशोक विहार इलाके में केशव पुरम की तरफ प्रेम बारी पुल के पास बेहोश हालत में मिले। उनके सीने, पेट और शरीर के अन्य हिस्सों पर चाकू के कई घाव थे।

रिफाइनरी कर्मचारियों की मांगे न मानने पर यूनियन सदस्यों ने काले कपड़े पहनकर किया , रोष प्रदर्शन

» निर्मल सिंह विर्क

पानीपत, यूटर्न/ 12 जुलाई । इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, पानीपत रिफाइनरी कर्मचारी यूनियन द्वारा कर्मचारियों को मूलभूत सुविधाएं न देने और समस्याओं का समाधान न होने के कारण रविवार को रिफाइनरी दिवस पर रिफाइनरी प्रशासन के खिलाफ काले कपड़े पहनकर रोष प्रदर्शन कर रिफाइनरी टाउनशिप में प्रभात फेरी निकाली गई। कर्मचारी यूनियन ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उनकी मांगे नहीं मानी गई तो अनिश्चितकालीन अनशन किया जाएगा। जिसका जिम्मेदार रिफाइनरी प्रशासन होगा।

रविवार सुबह कर्मचारी यूनियन के सदस्यों ने रिफाइनरी टाउनशिप में एकत्रित होकर रिफाइनरी प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ काले कपड़े पहनकर रोष प्रदर्शन करते हुए प्रभात फेरी निकाली गई। रिफाइनरी कर्मचारी यूनियन ने रिफाइनरी प्रशासनिक अधिकारियों को चेताते हुए कहा कि अगर उनकी मांगे नहीं मानी गई तो कर्मचारी यूनियन द्वारा अनिश्चितकालीन अनशन किया जाएगा।

बता दें कि इंडियन ऑयल रिफाइनरी कर्मचारी यूनियन द्वारा मांगें मनवाने के लिए रिफाइनरी टाउनशिप में 29 जून को एक दिवसीय सांकेतिक धरना प्रदर्शन किया गया था। जिसमें रिफाइनरी कार्यकारी निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख और मुख्य महाप्रबंधक मानव संसाधन के खिलाफ नारेबाजी की गई थी। वंही 10 जुलाई को रिफाइनरी कर्मचारी यूनियन द्वारा दिए गए समय के अंदर रिफाइनरी प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा उनकी मांगे न मानने पर कर्मचारी यूनियन का गुस्सा फूट पड़ा और रिफाइनरी गेट पर एकत्रित होकर रिफाइनरी प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पी 25 प्रोजेक्ट गेट से कोको चौंक तक जुलूस निकाला गया था।

रिफाइनरी दिवस पर प्रधान संपूर्ण सिंह ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमने पिछे किए प्रदर्शनों में कहा था कि रिफाइनरी टाउनशिप में लोगों के लिए मूलभूत सुविधा पीने का साफ पानी नहीं है जिसके लिए तुरंत आर.ओ. प्लांट लगवाया जाए। रिफाइनरी टाउनशिप में बहुत अधिक संख्या में आवारा कुत्ते घूमते हैं। जो आए दिन किसी न किसी को अपना शिकार बना लेते हैं। हम रिफाइनरी प्रशासन से मांग करते हैं कि आवारा कुत्तों का स्थाई समाधान करवाया जाए।

हरियाणा को किया जायेगा हरा-भरा : रवि सैनी

हरियाणा, यूटर्न/ 12 जुलाई । हरियाणा सरकार में वन-विकास विभाग के चेयरमैन रवि सैनी का आज ग्रीन सिटी सैक्टर 2, हांसी में नागरिक अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर नव-नियुक्त चेयरमैन रवि सैनी ने अपने सम्बोधन में कहा कि समस्त हरियाणा को हरा-भरा किया जायेगा, ताकि जनता को शुद्ध वायु मिल सके। उन्होंने कहा कि इस वर्ष 1.50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसमें प्रत्येक नागरिक, सामाजिक संस्थाएं और विद्यार्थी इसके भागीदार बने, यह सरकार की अपेक्षा है। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त 50 लाख पौधे निशुल्क वितरित किये जायेंगे तथा 20 लाख पौधे विद्यार्थियों को उपलब्ध करवायेंगे ताकि बच्चे स्वयं पौधे लगाकर उनकी देखभाल कर सके। इस अवसर पर पूर्व प्रशासक हैफेड नरेन्द्र भ्याना ने कहा कि रवि सैनी को चेयरमैन बनाकर हरियाणा के मुख्यमन्त्री नायब सिंह सैनी ने हांसी जिले का मान बढ़ाया है। आज समस्त समाज अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

अब एलिवेटिड ट्रैक से गुजरेगी रेलगाडियां तभी नीचे सडक से वाहन होते रहेंगे क्रॉस : सुभाष सुधा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 जुलाई को जींद से देंगे कुरुक्षेत्र के लोगों को दो बड़ी सौगात

इलेक्ट्रिक बसों, ई-रिक्शा और साइकिल से कार्यक्रम में पहुंचेंगे नागरिक

» परमिंदर सिंह

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 12 जुलाई । हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 जुलाई को जींद से हाइड्रोजन ट्रेन के साथ-साथ कुरुक्षेत्र के रेलवे एलिवेटिड ट्रैक का उद्घाटन और सिख म्यूजियम का शिलान्यास करेंगे। एलिवेटिड ट्रैक प्रोजेक्ट के पूरा होने से शहर के लोगों और बाहर से शहर में आने वाले नागरिकों को बहुत बड़ा लाभ होगा। शहर की पांच रेलवे क्रॉसिंग के ऊपर से रेलवे एलिवेटिड ट्रैक तैयार किया गया है। अब रेलगाड़ी एलिवेटिड ट्रैक से होकर गुजरा करेगी और नीचे बनी सडक से वाहनों के लिए मार्ग 24 घंटे खुला रहेगा। ऐसा होने से वाहन चालकों को जाम में नहीं फंसना पड़ेगा और सबसे बड़ी बात व्यापार में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि देश की पहली हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन से किसी भी प्रकार का प्रदूषण नहीं होगा, ईंधन की बचत होगी। इस ट्रेन में करीब 800 यात्री एक बार में यात्रा कर सकेंगे। यह उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि इस दिन कुरुक्षेत्र में भी एक कार्यक्रम का आयोजन होगा, क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के शिलान्यास किए गए एलिवेटिड रेलवे ट्रैक व स्टेशन का कार्य मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के प्रयास से पूरा हो चुका है। कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी में आयोजित कार्यक्रम में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग मंत्री श्याम सिंह राणा मुख्य रूप से शिरकत करेंगे। इस प्रोजेक्ट को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उद्घाटन करके जनता को समर्पित करने वाले हैं। इस ट्रैक पर रेलगाड़ी का ट्रायल व अन्य सभी जरूरी कामों को पूरा कर लिया है।

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों से रेलवे एलिवेटिड ट्रैक का उद्घाटन होगा। पिछले 7 सालों से इस ट्रैक को निर्माण चल रहा था। इसके शुरू होने का शहर के नागरिक इंतजार कर रहे थे। रेलगाड़ी के ट्रायल से ही लोगों में काफी खुशी की लहर है। कुरुक्षेत्र में 17 जुलाई को यूनिवर्सिटी में उद्घाटन समारोह का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में शहर के नागरिक इलेक्ट्रिक बसों, ई-रिक्शा और साइकिलों के माध्यम से इस कार्यक्रम में पहुंचेंगे।

उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के लिए रेलवे ट्रैक व शहर को सजाया जाएगा। सुबह 8 बजे इस कार्यक्रम में शहर के नागरिक पहुंचे। इस कार्यक्रम में रेलवे एलिवेटिड ट्रैक का उद्घाटन होने के साथ-साथ सिख म्यूजियम का शिलान्यास भी किया जाएगा, जोकि शहर के विकास और इतिहास को चार चांद लगाने का कार्य करेगी। कुरुक्षेत्र धर्मनगरी के साथ-साथ गुरुओं की भूमि रही हैं। इसी संदेश को विश्वभर में पहुंचाने के लिए यहां पर सिख म्यूजियम का निर्माण किया जा रहा है।

विश्व प्लास्टिक सर्जरी दिवस पर आदेश अस्पताल में विशेष शिविर 13 से 18 जुलाई तक

» कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 12 जुलाई ।

विश्व प्लास्टिक सर्जरी दिवस के अवसर पर मोहड़ी स्तिथ आदेश मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में 13 जुलाई से 18 जुलाई तक विशेष प्लास्टिक सर्जरी एवं लेजर उपचार जागरूकता शिविर आयोजित किया जायेगा। इस दौरान त्वचा संबंधी विभिन्न समस्याओं के उपचार के लिए लेजर प्रक्रियाओं पर मरीजों को आधी दरों कि छूट प्रदान की जाएगी। प्रबंध निदेशक डॉ. गुणतास सिंह गिल ने जानकारी देते हुए बताया कि इस पहल का उद्देश्य आधुनिक प्लास्टिक सर्जरी एवं लेजर उपचार के प्रति लोगों को जागरूक करना और जरूरतमंद मरीजों को किफायती उपचार उपलब्ध कराना है। डॉ. गुणतास सिंह गिल ने बताया कि विश्व प्लास्टिक सर्जरी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस विशेष अभियान के तहत त्वचा और प्लास्टिक सर्जरी से जुड़ी समस्याओं के उपचार के लिए मरीजों को आधी दरों पर सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने कहा कि आधुनिक चिकित्सा तकनीकों की मदद से कई ऐसी समस्याओं का प्रभावी उपचार संभव है, जिन्हें लोग लंबे समय तक नजरअंदाज करते रहते हैं। उन्होंने बताया कि इस विशेष शिविर के दौरान चेहरे पर पुराने निशान, शरीर पर मस्से, जलने के निशान, घाव के दाग, त्वचा पर खिंचाव के निशान तथा त्वचा के कायाकल्प जैसी समस्याओं का लेजर तकनीक से उपचार किया जाएगा। यह तकनीक कम दर्द, कम रक्तस्राव और अपेक्षाकृत कम रिकवरी समय के कारण आधुनिक चिकित्सा में तेजी से लोकप्रिय हो रही है। डॉ. गुणतास सिंह गिल ने कहा कि आदेश अस्पताल समय-समय पर विभिन्न स्वास्थ्य जागरूकता दिवसों के अवसर पर विशेष स्वास्थ्य योजनाएं संचालित करता है, ताकि अधिक से अधिक मरीज आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का लाभ उठा सकें। उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि वे त्वचा या प्लास्टिक सर्जरी से संबंधित किसी समस्या से परेशान हैं तो इस विशेष शिविर का लाभ उठाकर विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श लें और रियायती दरों पर उपचार प्राप्त करें।

यह तकनीक कम दर्द, कम रक्तस्राव और अपेक्षाकृत कम रिकवरी समय के कारण आधुनिक चिकित्सा में तेजी से लोकप्रिय हो रही है। डॉ. गुणतास सिंह गिल ने कहा कि आदेश अस्पताल समय-समय पर विभिन्न स्वास्थ्य जागरूकता दिवसों के अवसर पर विशेष स्वास्थ्य योजनाएं संचालित करता है, ताकि अधिक से अधिक मरीज आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का लाभ उठा सकें।

जानकारी देते डॉ. गुणतास सिंह गिल।

समाजसेवी सुमेर चंद अग्रवाल की स्मृति में रक्तदान शिविर आयोजित

अग्रवाल परिवार समाज सेवा के साथ ही जरूरतमंद की मदद के लिए भी हमेशा रहता है तत्पर

» प्रमोद कौशिक/संजीव कुमारी

थानेसर, यूटर्न/ 12 जुलाई । सरस्वती मेडिसिन एजेंसी द्वारा स्वर्गीय श्री सुमेर चंद जी अग्रवाल की 16वीं पुण्यतिथि के अवसर पर विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर के लिए लगभग 120 लोगों ने रजिस्ट्रेशन करवाया और 98 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। शिविर में लोक नारायण जयप्रकाश हॉस्पिटल एवं रेड क्रॉस की टीम ने यह रक्त एकत्रित किया।

शिविर के संयोजकों श्री वेद भूषण अग्रवाल भारत भूषण अग्रवाल विनोद अग्रवाल ने रक्तदाताओं का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि की हर व्यक्ति को इंसानियत के नाते वर्ष में एक या दो बार कम से कम रक्त जरूर दान देना चाहिए। रक्त किसी फैक्ट्री में नहीं बनाया जा सकता ये सिर्फ एक मनुष्य ही दूसरे को दे सकता है, इसलिए हमे नियमित रक्तदान जरूर करना चाहिए। रक्तदान से शरीर में कोई कमजोरी नहीं आती बल्कि नियमित रक्तदाता को बहुत सी बीमारियों से छुटकारा मिलता है। उन्होंने बताया कि थैलेसिमिया जैसी बीमारी से बचने के लिये शादी से पहले हर लडका एवं लडकी को अपना ब्लड टैस्ट अवश्य कराना चाहिए। हर गर्भवती महिला को भी अपने रक्त की जांच अवश्य करानी चाहिये। सभी रक्त दाताओं को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित भी किया गया।

रक्तदान शिविर का आयोजन रेलवे स्टेशन स्थित अग्रवाल धर्मशाला में किया गया इस शिविर में वैश्य अग्रवाल पंचायत के प्रधान विशाल सिंगला, ऑल इंडिया केमिस्ट संगठन के महासचिव अशोक सिंगला, राजेश सिंगला, जन सहयोग संस्था से जितेंद्र कुमार, करनाल से कपिल किशोर, ओम प्रकाश गर्ग, अरुण गुप्ता, संजीव सिकरी, मनीष मित्तल, अनिल बंसल मौजूद रहे।

कपड़े का थैला अपनाएँ, प्लास्टिक को दूर भगाएँ विषय पर आधारित परिचर्चा हुई आयोजित

अश्विनी वालिया/कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 12 जुलाई । पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छ भारत के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से प्रबुद्ध लोगों से चर्चा करने उपरांत विचार किया गया कि कपड़े का थैला अपनाएँ, प्लास्टिक को दूर भगाएँ' विषय पर जनजागरूकता अभियान चलाया जाए। इस अवसर पर प्रबुद्ध लोगों द्वारा नागरिकों से अपील की गई कि वे दैनिक जीवन में प्लास्टिक की थैलियों का उपयोग बंद कर कपड़े के थैले अपनाएँ, ताकि पर्यावरण को प्रदूषण से बचाया जा सके और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण मिल सके। समाजसेवी एवं वरिष्ठ नागरिक के .सी. वर्मा ने कहा कि प्लास्टिक कचरा मिट्टी, जल और वायु को प्रदूषित करता है तथा पशु-पक्षियों और मानव स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा बनता जा रहा है। इसके विपरीत कपड़े का थैला पर्यावरण के अनुकूल, मजबूत, पुनः उपयोग योग्य तथा टिकाऊ विकल्प है। वरिष्ठ पत्रकार राजकुमार वालिया ने कहा कि कपड़े का थैला अपनाना केवल एक आदत नहीं, बल्कि पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। यदि प्रत्येक नागरिक प्लास्टिक का त्याग कर कपड़े का थैला अपनाए, तो हम प्रदूषण को काफी हद तक कम कर सकते हैं।' सरपंच बलदेव सिंह सैनी ने कहा कि 'आज आवश्यकता है कि प्रत्येक परिवार अपने घर में कपड़े के थैले रखे और खरीदारी के समय उन्हें साथ लेकर जाए। छोटे-छोटे प्रयास मिलकर बड़े परिवर्तन का आधार बनते हैं।' समाजसेवी संजय शर्मा ने कहा कि

'स्वच्छ पर्यावरण ही स्वस्थ जीवन की नींव है। हमें स्वयं जागरूक होने के साथ-साथ अपने बच्चों और समाज को भी प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना चाहिए।' अंत में परिचर्चा में भाग लेने वाले प्रबुद्ध जनों ने सभी नागरिकों से आ'ान किया कि वे 'कपड़े का थैला अपनाएँ, प्लास्टिक को दूर भगाएँ' अभियान को जन-जन तक पहुँचाएँ तथा पर्यावरण संरक्षण की मुहिम में सक्रिय भागीदारी निभाएँ।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

'सतलुज' फि ल्म का असर: वोट से ज्यादा गरमा-गरमी ?

संदीप शर्मा

पंजाब की राजनीति अक्सर सिर्फ. घोषणापत्रों और कामकाज पर ही नहीं, बल्कि उन पलों पर भी टिकी रही है जो लोगों की सामूहिक भावनाओं को जगाते हैं। 'सतलुज' फि ल्म का रिलीज होना भी ऐसा ही एक पल बन सकता है। हो सकता है कि यह अकेले राज्य का राजनीतिक नक्शा न बदल पाए, लेकिन 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले यह 'पंथिक' राजनीति को नई रफ़्तार दे सकती है, खासकर माझा क्षेत्र के ज़िलों जैसे तरनतारन, अमृतसर और गुरदासपुर में। पंजाब ने ऐसा पहले भी देखा है। 2022 में गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या सिर्फ. कानून-व्यवस्था से जुड़ी त्रासदी नहीं थी; यह एक राजनीतिक प्रतीक बन गई थी। उनकी हत्या पर लोगों का गुस्सा और उनकी सुरक्षा वापस लेने से जुड़ा विवाद एक ऐसा भावनात्मक माहौल बना गया, जिसका फायदा संगरूर लोकसभा उपचुनाव में सिमरनजीत सिंह मान को मिला। 'सतलुज' में भी लोगों की बातचीत और सोच में इसी तरह का बदलाव लाने की क्षमता है, भले ही वह उतना नाटकीय न हो। यह फि ल्म पंजाब के इतिहास के उस दर्दनाक अध्याय को फिर से सामने लाती है जो आज भी लोगों में गहरी भावनाएं जगाता है, खासकर उन इलाकों में जहाँ उग्रवाद के दौर की यादें लोगों के दिलों में गहराई से बसी हैं। 'वारिस पंजाब दे' जैसे संगठनों के लिए ऐसे पल सिख पहचान, ऐतिहासिक शिकायतों और पंजाब व केंद्र के रिश्तों पर बहस को फिर से शुरू करने का मौका देते हैं। उन्हें अपनी विचारधारा के लिए व्यापक समर्थन की जरूरत नहीं होती; उन्हें बस इतना चाहिए होता है कि ये मुद्दे लोगों की बातचीत में छाए रहें। शिरोमणि अकाली दल को भी इससे कुछ फायदा हो सकता है। पिछले एक दशक में अपना पारंपरिक पंथिक समर्थन आधार लगातार खोने के बाद, पार्टी मतदाताओं को ज्यादा कट्टरपंथी आवाजों की ओर जाने से रोकने के लिए धार्मिक और पहचान-आधारित नैरेटिव को फिर से मजबूत कर सकती है। यह एक ऐसी राजनीतिक जगह है जिस पर कभी अकाली दल का दबदबा था, लेकिन 2015 में बेअदबी की घटनाओं से अकाली दल को जबरदस्त झटका लगने के बाद अब उन्हें इसे नए संगठनों के साथ असहज स्थिति में साझा करना पड़ता है। फिर भी, इस तरह की राजनीति की भी अपनी सीमाएँ हैं। पंजाब के मतदाताओं ने हमेशा भावनात्मक जुड़ाव और चुनावी समर्थन को अलग-अलग रखा है। वे 'सतलुज' देख सकते हैं, इसके संदेश पर बहस कर सकते हैं और इतिहास के इसके चित्रण से सहानुभूति भी रख सकते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वे अलगाववादी या चरमपंथी राजनीति का समर्थन करने लगेंगे। वही मतदाता जो इतिहास से प्रभावित होता है, वह ड्रग्स से आजादी, बेहतर स्कूल, रोजगार के अवसर और एक ज़िम्मेदार सरकार भी चाहता है। 'सतलुज' फिल्म के 2027 के चुनावी नतीजों के बजाय, चुनाव प्रचार के माहौल पर असर डालने की ज्यादा संभावना है। यह हाशिए पर मौजूद संगठनों को एक नई कहानी देकर मजबूत कर सकती है और मुख्यधारा की पार्टियों को अपने 'पंथिक' संदेशों को नए सिरे से तय करने के लिए मजबूर कर सकती है। लेकिन जब तक चुनावी एजेंडे से गवर्नेंस (शासन-प्रशासन) के मुद्दे गायब नहीं हो जाते, तब तक इस बात की संभावना कम है कि यह फिल्म उन संगठनों को वह दिला पाएगी जो वे असल में चाहते हैं। पंजाब में भावनाएं बहस की दिशा तय कर सकती हैं, लेकिन चुनाव आमतौर पर वे ही जीतते हैं जो वोटरों को यह भरोसा दिला पाते हैं कि वे भविष्य को बेहतर ढंग से संभाल सकते हैं, न कि सिर्फ. अतीत की नई व्याख्या कर सकते हैं।

साम्राज्वाद के विरोध में ईरान का प्रतीक: बंद मुट्ठी

पोस्टर और प्रतीक केवल तर्क से नहीं, भावना से भी काम करते हैं। बंद मुट्ठी, शोक को क्रोध, स्मृति और प्रतिशोध की राजनीति में बदल देती है, जिससे समर्थकों में एक सामूहिक पहचान और 'हम बनाम वे' की भावना मजबूत होती है। ऐसे पोस्टर आंतरिक सत्ता-संघर्ष में भी काम आते हैं, क्योंकि वे उत्तराधिकार या नेतृत्व-रिक्ति के समय समर्थकों को एक धुरी के चारों ओर इकट्ठा करते हैं। इससे जनता को यह संदेश जाता है कि सत्ता या व्यवस्था अभी भी नियंत्रण में है और बिखराव नहीं हुआ। आम तौर पर ऐसे प्रतीक तीन स्तरों पर अपना व्यापक प्रभाव छोड़ते हैं। एक तो सड़क पर समर्थकों का मनोबल बढ़ाने में, दूसरा नेतृत्व की वैधता दिखाने और तीसरे अपने विरोधियों को यह संकेत देने में कि संघर्ष वैचारिक रूप से जारी रहेगा। इसलिए इसे केवल एक चित्र नहीं, बल्कि राजनीतिक संचार की रणनीति समझना चाहिए।

तनवीर जाफरी

ईरानी सुप्रीम लीडर शहीद आयतुल्लाह खामनेई की पिछले दिनों 4 से 9 जुलाई के मध्य हुई विश्व की सबसे बड़ी अंत्येष्टि को दुनिया ने देखा। लगभग एक सप्ताह तक चले अंत्येष्टि के इस आयोजन में ईरान व इराक में लगभग दो हजार किलोमीटर की शवयात्रा निकाली गयी, करोड़ों की भीड़ को विभाजित करने के लिये तेहरान साहित कई प्रमुख शहरों में नमाज-ए-जनाजा पढ़ाई गयी। यह ऐतिहासिक जनसैलाब न केवल अमेरिका इस्त्राईल के मिसाईल हमले में शहीद अपने रहबर व उनके शहीद परिजनों को रोते बिलखते हुये श्रद्धांजलि दे रहा था बल्कि भारी गुस्से का भी इजहार कर रहा था। लाखों लोग बदले का प्रतीक लाल परचम उठाये हुये थे जबकि सैकड़ों बैनर पोस्टर पर अंग्रेजी में किल ट्रंप लिखकर अमेरिका को ईरानियों का सीधा सन्देश भी दिया गया था। गम और गुस्से के संदेशों से भरे इन्हीं परचमों, पोस्टर्स व बैनर्स के बीच एक विशेष प्रतीक ने भी पूरी दुनिया का ध्यान खींचा। यह था बंद व बुलंद मुट्ठी का प्रतीक। खबर है कि शहादत के वक़्त भी उनकी मुट्ठी बंधी हुई थी।

दरअसल बंद मुट्ठी का अर्थ आम तौर पर प्रतिरोध, एकजुटता, और संघर्ष को जारी रखने का संकेत होता है। आयतुल्लाह खामनेई की शहादत के संदर्भ में इसे उनके समर्थकों व राजनीतिक व धार्मिक पक्षों की तरफ से यह संदेश माना गया कि वे उनकी विरासत, उनके विचार और ईरान की मौजूदा सत्ता-रचना के साथ खड़े हैं। इतिहास गवाह है कि बंद मुट्ठी दुनिया भर में पहले भी कई वैश्विक आंदोलनों में खासकर साम्राज्यवादी शक्तियों के विरोध और दृढ़ता का प्रतीक रही है। इस प्रतीक को केवल शोक का ही नहीं, बल्कि 'हम पीछे नहीं हटेंगे' हम डटे रहेंगे व हमारा संकल्प दृढ़ है, हम संगठित हैं जैसे राजनीतिक संदेशों के रूप में भी समझा जाता है। इसी तरह खामनेई की शहादत के बाद जो पोस्टर लगाए गए, उनमें बंद मुट्ठी को उनकी सत्ता, विचारधारा और समर्थक नेटवर्क की निरंतरता के प्रतीक की तरह इस्तेमाल किया गया। इसका आशय यह भी हो सकता है कि उनके अनुयायी इसे केवल मृत्यु नहीं, बल्कि संघर्ष और प्रतिरोध के नए चरण की शुरूआत मान रहे हैं। वैसे भी दास्तान-ए-करबला से प्रेरणा लेने वाली शिया कौम में राजनीति और प्रतीकों में शोक, प्रतिशोध और न्याय की भाषा बहुत महत्वपूर्ण मानी जाती है। इसलिए ऐसी छवियाँ भावनात्मक रूप से यह भी कहती हैं कि समुदाय अपने नेता की 'शहादत' या मृत्यु को निजी दुख के साथ-साथ सामूहिक संकल्प में बदल रहा है। बंद मुट्ठी का मतलब यह भी है कि हम शोक में तो जरूर हैं लेकिन हम कमजोर नहीं हैं और हम विरोध का अपना रास्ता भी जारी रखेंगे। बंद मुट्ठी का प्रतीक यह भी दशार्ता है कि हम कमजोर, बिखरे हुये या नेतृत्व-हीन नहीं हैं बल्कि हमारा संगठन, विचारधारा और सामूहिक अनुशासन अभी भी मजबूत है। पोस्टर और प्रतीक केवल तर्क से नहीं, भावना से भी काम करते हैं। बंद मुट्ठी, शोक को क्रोध, स्मृति और प्रतिशोध की राजनीति में बदल देती है, जिससे समर्थकों में एक सामूहिक पहचान और 'हम बनाम वे' की भावना मजबूत होती है। ऐसे पोस्टर आंतरिक सत्ता-संघर्ष में भी काम आते हैं, क्योंकि वे उत्तराधिकार या नेतृत्व-रिक्ति के समय समर्थकों को एक धुरी के चारों ओर इकट्ठा करते हैं। इससे जनता को यह संदेश जाता है कि सत्ता या व्यवस्था अभी भी नियंत्रण में है और बिखराव नहीं हुआ। आम तौर पर ऐसे प्रतीक तीन स्तरों पर अपना व्यापक प्रभाव छोड़ते हैं। एक तो सड़क पर समर्थकों का मनोबल बढ़ाने में, दूसरा नेतृत्व की वैधता दिखाने और तीसरे अपने विरोधियों को यह संकेत देने में कि संघर्ष वैचारिक रूप से जारी रहेगा। इसलिए इसे केवल एक चित्र नहीं, बल्कि राजनीतिक संचार की रणनीति समझना चाहिए। साथ ही बाहरी दुनिया के लिए भी यह प्रतीक एक तरह की चेतावनी है कि ईरान-समर्थक धड़ा किसी भी स्वयंभू महाशक्ति के दबाव में झुकने वाला नहीं है। ईरान में शहीद खामनेई की अंत्येष्टि में करोड़ों शोकाकुल लोगों के बीच इस तरह के संकेत का पोस्टर बैनर्स में नजर आना साथ ही बार बार उपस्थित करोड़ों लोगों द्वारा गुस्से में यही प्रतीक बनाकर और बुलंद कर व अमेरिका, इजराइल के विरुद्ध गगनचुंबी नारे लगाकर प्रतिद्वंद्वियों को सीधा संदेश दिया गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व उनके खास सहयोगी देश इस्त्राईल के साम्राज्यवादी इरादों को दुनिया देख ही रही है। गजा, फिलिस्तीन, लेबनॉन, सीरिया, यमन, ईरान, इराक, वेनेजुएला आदि अनेक देशों को बर्बाद करने में अमेरिका इस्त्राईल ने कोई कसर बाकी नहीं रखी। जब चाहे जिस देश को चाहें धमकियाँ देते रहते हैं। यहाँ तक की देश पर कब्जा करने की भी धमकी दे बैठते हैं। यह साम्राज्यवादी देश, दूसरे देशों की धन सम्पदाओं, प्राकृतिक संसाधनों यहाँ तक कि उनपर बलात कब्जा जमाकर उनकी संप्रभुता से खिलवाड़ करने की सोच रखते हैं। और अपने इन नापाक इरादों को पूरे करने के लिये बांटो और राज करो, पड़ोसी देशों में भय और अविश्वास पैदा करने जैसे घिनौने खेल खेलते हैं और इसी की आड़ में अपने हथियार बेचते हैं। दुनिया के तमाम देश इनकी ताकत की वजह से इनसे सीधे टकराव नहीं चाहते। परन्तु ईरान ने विश्व इतिहास में अब तक के इस मिथक को मिटा दिया है कि इन साम्राज्यवादी देशों का मुकाबला नहीं किया जा सकता।

ऊर्जा संकट की नई चुनौती- भारत को तात्कालिक समाधान नहीं

दीर्घकालिक संरचनात्मक सुधारों पर भी निरंतर कार्य करना होगा

किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तर पर इक्कीसवीं सदी का तीसरा दशक विश्व अर्थव्यवस्था के लिए जितना अवसरों का युग सिद्ध हो रहा है, उतना ही अनिश्चितताओं और बहुआयामी चुनौतियों का भी। कोविड-19 महामारी के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था ने पुनरुद्धार की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए, लेकिन रूस-यूक्रेन संघर्ष, ईरान अमेरिका युद्ध पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान, समुद्री व्यापार मार्गों पर सुरक्षा संबंधी जोखिम, ऊर्जा बाजार में अस्थिरता तथा विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंकों की सख्त मौद्रिक नीतियों ने विश्व आर्थिक व्यवस्था को फिर से कठिन मोड़ पर ला खड़ा किया है मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि आज महंगाई केवल किसी एक देश की घरेलू समस्या नहीं रह गई है, बल्कि यह एक वैश्विक आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक चुनौती बन चुकी है, जिसका प्रभाव विकसित और विकासशील दोनों प्रकार की अर्थव्यवस्थाओं पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। ईरान अमेरिका समझौता टूटने से आज 9 जुलाई 2026 को दोनों ने एक दूसरे के ऊपर भयंकर हमले किए हैं, स्पष्ट है कि अमेरिका-ईरान तनाव केवल दो देशों के बीच का विवाद नहीं है, बल्कि उसका प्रभाव पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा, महंगाई, वित्तीय बाजारों और भारत जैसे उभरते देशों की विकास यात्रा पर पड़ता है। इसलिए भारत के लिए समय की मांग केवल तात्कालिक संकट प्रबंधन नहीं, बल्कि ऐसी दीर्घकालिक आर्थिक और कूटनीतिक रणनीति तैयार करना है जो बदलती वैश्विक परिस्थितियों में भी देश की विकास गति, ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता को बनाए रख सके। भारत इस वैश्विक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा होने के कारण इन घटनाक्रमों से अछूता नहीं रह सकता। भारत विश्व के सबसे बड़े कच्चा तेल आयात करने वाले देशों में शामिल है। देश अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात के माध्यम से पूरा करता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में थोड़ी-सी वृद्धि भी भारत के आयात बिल, व्यापार घाटे और राजकोषीय संतुलन को प्रभावित कर सकती है। यदि तेल महंगा होता है तो परिवहन लागत बढ़ती है, उद्योगों का उत्पादन महंगा होता है, कृषि क्षेत्र में डीजल और उर्वरकों का खर्च बढ़ता है तथा अंततः खाद्य वस्तुओं और दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दाम बढ़ने लगते हैं। यही वह श्रृंखला है, जो महंगाई को केवल आर्थिक शब्द नहीं रहने देती, बल्कि प्रत्येक परिवार के मासिक बजट और जीवन स्तर से सीधे जोड़ देती है। साथियों, कृषि क्षेत्र भी इन वैश्विक परिस्थितियों से पूरी तरह अछूता नहीं है। भारत कृषि प्रधान देश है, लेकिन खेती में डीजल, उर्वरक, सिंचाई, परिवहन और भंडारण की लागत लगातार बढ़ने पर किसानों की उत्पादन लागत बढ़ जाती है। यदि मौसम की अनिश्चितता भी साथ जुड़ जाए, तो खाद्यान्न उत्पादन और आपूर्ति दोनों प्रभावित हो सकते हैं। इससे खाद्य महंगाई बढ़ने की संभावना रहती है, जिसका सीधा प्रभाव आम नागरिकों की रसोई पर पड़ता है। यही कारण है कि खाद्य सुरक्षा, कृषि सुधार आधुनिक भंडारण व्यवस्था और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाना आज केवल कृषि नीति नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आर्थिक नीति का भी महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है।

साथियों, महंगाई का सबसे अधिक प्रभाव निश्चित आय वाले वर्ग पर पड़ता है। मध्यम वर्ग, वेतनभोगी कर्मचारी, पेंशनभोगी, छोटे व्यापारी और निम्न आय वर्ग के परिवार तब सबसे अधिक प्रभावित होते हैं, जब उनकी आय की तुलना में आवश्यक वस्तुओं की कीमतें तेजी से बढ़ती हैं। भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, बिजली, गैस और आवास जैसी बुनियादी आवश्यकताओं पर होने वाला खर्च परिवारों के मासिक बजट को असंतुलित कर देता है। यदि ब्याज दरें भी ऊँची बनी रहती हैं तो गृह ऋण, वाहन ऋण और व्यापारिक ऋण की मासिक किस्तें बढ़ सकती हैं। इस प्रकार महंगाई केवल आर्थि सूचकांक नहीं रहती, बल्कि प्रत्येकपरिवार के जीवन स्तर और भविष्य की योजनाओं को प्रभावित करने वाला वास्तविक सामाजिक प्रश्न बन जाती है।

साथियों, आज विश्व व्यवस्था एक ऐसे दौर से गुजर रही है जहाँ आर्थिक शक्ति, ऊर्जा सुरक्षा, तकनीकी श्रेष्ठता और भू-राजनीतिक प्रभाव एक-दूसरे के पूरक बन चुके हैं। अमेरिका अपनी मौद्रिक नीति, तकनीकी नवाचार और डॉलर की वैश्विक भूमिका के माध्यम से आर्थिक नेतृत्व बनाए रखने का प्रयास कर रहा है। चीन विनिर्माण, निर्यात, दुर्लभ खनिजों, हरित प्रौद्योगिकी और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अपनी पकड़ मजबूत करने की रणनीति पर कार्य कर रहा है। यूरोपीय संघ ऊर्जा विविधीकरण हरित अर्थव्यवस्था और डिजिटल परिवर्तन पर बल दे रहा है, जबकि जापान तकनीकी नवाचार, उच्च उत्पादकता और ऊर्जा दक्षता के माध्यम से अपनी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बनाए रखने का प्रयास कर रहा है।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

भारत में अगले साल 15 अगस्त से शुरू होगी बुलेट ट्रेन : अश्विनी वैष्णव

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 जुलाई

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ऐलान किया कि भारत की पहली बुलेट ट्रेन सेवा 15 अगस्त, 2027 से चरणबद्ध तरीके में शुरू होगी और मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल (एमएएचएसआर) कॉरिडोर का सूरत-बिलिमोरा सेक्शन देश का पहला हाई-स्पीड रेल रूट बनेगा।

508 किलोमीटर लंबे मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर को चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जाएगा, जिससे पूरे रूट के पूरा होने से पहले ही प्रोजेक्ट के कुछ हिस्से चालू हो सकेंगे। सूरत-बिलिमोरा सेक्शन के शुरू होने के बाद, बाकी सेक्शन - जैसे वापी-सूरत, वापी-अहमदाबाद, अहमदाबाद-ठाणे और अहमदाबाद-मुंबई को धीरे-धीरे खोला जाएगा।

हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर के बारे में जानकारी देते हुए रेल मंत्रालय ने वैष्णव ने कहा कि भारत का पहला बुलेट ट्रेन

प्रोजेक्ट अपने अगले चरण में पहुंच गया है। मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर का काम चल रहा है और इसे चरणों में शुरू किया जाएगा, जिसकी शुरूआत सूरत-बिलिमोरा सेक्शन से होगी।

रेल मंत्री ने कहा कि इस बड़े प्रोजेक्ट का लगभग 80 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और तय समय-सीमा के अंदर काम पूरा करने के लिए निर्माण तेजी से चल रहा है। मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर भारत का पहला हाई-स्पीड रेल प्रोजेक्ट है। इससे इन दो आर्थिक केंद्रों के बीच यात्रा का समय काफी कम हो जाएगा, साथ ही आधुनिक रेल तकनीक आएगी और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी। इस प्रोजेक्ट से कॉरिडोर के आस-पास आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

वैष्णव ने देश के हाई-स्पीड रेल नेटवर्क को बढ़ाने के लिए केंद्र की लंबी अवधि की योजनाओं के बारे में भी बताया और हैदराबाद को केंद्र में रखकर तीन प्रस्तावित बुलेट ट्रेन कॉरिडोर की घोषणा की। इनमें पुणे-हैदराबाद, हैदराबाद-चेन्नई और हैदराबाद-बेंगलुरु रूट शामिल हैं, जिनसे दक्षिण भारत में कनेक्टिविटी बेहतर होने की उम्मीद है। उन्होंने यह भी बताया कि हैदराबाद-मुंबई हाई-स्पीड रेल लिंक की भी योजना है, जिससे इन दोनों शहरों के बीच यात्रा का समय काफी कम हो जाएगा।

एफएसएसएआई ने स्विगी इंस्टामार्ट को 9 नोटिस जारी किए

खराब और असुरक्षित भोजन डिलीवरी पर गंभीर आरोप

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 जुलाई

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म स्विगी इंस्टामार्ट को खाद्य सुरक्षा नियमों के कथित उल्लंघन के आरोप में 9 नोटिस जारी किए हैं। यह सख्त कदम ग्राहकों से मिली उन शिकायतों के मद्देनजर उठाया गया है, जिनमें एक्सपायरी डेट वाले, खराब और असुरक्षित खाद्य उत्पादों की डिलीवरी का आरोप लगाया गया था। एफएसएसएआई ने कंपनी से इन कथित अनियमितताओं पर विस्तृत स्पष्टीकरण और अनुपालन रिपोर्ट मांगी है। शिकायतों में एक्सपायरी डेट के अंडे (विशेषकर अक्षयकल्प ऑर्गैनिक एग), खराब दूध, पैकेज्ड खाद्य सामग्री और कक्के दा पराठा जैसे उत्पाद शामिल हैं। कुछ उत्पादों में सड़न और दुर्गंध पाई गई, जिससे वे मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त माने गए। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि नॉयस एग्ज नामक उत्पाद एफएसएसएआई लाइसेंस में स्वीकृत उत्पाद श्रेणी के अंतर्गत नहीं था, जिस पर पहले ही बिक्री रोकने या लाइसेंस संशोधित करने का निर्देश था।

ग्राहकों ने खराब लौटे उत्पादों को फिर से डिलीवर करने का गंभीर आरोप भी लगाया है। नियामक ने स्विगी इंस्टामार्ट से अपनी गुणवत्ता नियंत्रण, इन्वेंट्री प्रबंधन, स्टॉक रोटेशन, भंडारण, स्वच्छता और आंतरिक नियंत्रण व्यवस्था का पूरा ब्यौरा मांगा है। एफएसएसएआई ने चेतावनी दी है कि संतोषजनक जवाब न मिलने पर कंपनी के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

महंगे हाई-स्पीड पेट्रोल में भी है 20 प्रतिशत एथनाल : विशेषज्ञ

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 जुलाई

सामान्य पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनाल (ई-20) मिक्सिंग के कारण इंजन में आ रही दिक्कतों और माइलेज की कमी से बचने के लिए कई लोग प्रीमियम पेट्रोल का रुख कर रहे हैं। इसको लेकर आटोमोबाइल विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि महंगे हाई-स्पीड पेट्रोल में भी सामान्य ईंधन की तरह 20 प्रतिशत एथनाल मिलाया जा रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक, हाई-स्पीड पेट्रोल का आक्टेन नंबर सामान्य पेट्रोल की तुलना में काफी अधिक होता है। इस उच्च आक्टेन वैल्यू के कारण इंजन के भीतर ईंधन का दहन बहुत सुचारू रूप से होता है, जिससे इंजन कम आवाज करता है और वाहन को बेहतर पिकअप मिलता है। इसी वजह से वाहन चालकों को गाड़ी चलाते समय एथनाल की मौजूदगी का बिल्कुल भी अहसास नहीं होता और उन्हें लगता है कि ईंधन पूरी तरह शुद्ध है, जबकि हकीकत में वह भी 20 प्रतिशत एथनाल मिश्रित ही होता है।

भले ही हाई-स्पीड पेट्रोल से गाड़ी स्मूथ चलती हो, लेकिन लंबे समय में यह आपके वाहन के इंजन के उन संवेदनशील पुर्जों को उतना ही नुकसान पहुंचा सकता है जितना कि सामान्य ई-20 पेट्रोल। एथनाल की प्रकृति नमी को सोखने की होती है, और यदि वाहन कुछ दिनों तक खड़ा रहे, तो टैंक के भीतर नमी जमा होने लगती है। इससे

फ्यूल पंप, इंजेक्टर्स और इंजन के अन्य धात्विक व रबर के पुर्जों में जंग या खराबी आने का खतरा बराबर बना रहता है। इस तरह, प्रीमियम पेट्रोल का उपयोग जेब पर दोहरी मार है, जहां आप अधिक कीमत चुकाकर भी इंजन को होने वाले नुकसान से नहीं बच पाते। आटोमोबाइल विशेषज्ञों और सीनियर मैकेनिकों का कहना है कि चाहे आप सामान्य पेट्रोल डलवाएं या हाई-स्पीड, वाहनों के नियमित रखरखाव का कोई विकल्प नहीं है। एथनाल के दुष्प्रभावों से बचने के लिए समय पर इंजन आयल बदलवाएं और फ्यूल फिल्टर की सफाई सुनिश्चित करें। यदि गाड़ी पुरानी है, तो समय-समय पर मैकेनिक से फ्यूल टैंक की जांच जरूर करवाएं ताकि जमा हुई नमी को साफ किया जा सके। इसलिए, केवल महंगा तेल डलवाकर यह न सोचें कि आपकी गाड़ी पूरी तरह सुरक्षित है; वाहन की लंबी उम्र के लिए नियमित सर्विसिंग ही एकमात्र समाधान है।

'हाई-फ्रीक्वेंसी इकोनॉमिक बैरोमीटर' से छोटे कारोबारियों को मिलेगी नई ताकत, अर्थव्यवस्था को मिलेगी रफ्तार : सीएआईटी

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 जुलाई ।

अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ 'सीएआईटी' (कैट) ने केंद्र सरकार द्वारा 14 जुलाई को 'हाई-फ्रीक्वेंसी इकोनॉमिक बैरोमीटर' लॉन्च करने के फैसले का स्वागत किया है। कैट का कहना है कि यह पहल छोटे व्यापारियों, खुदरा कारोबारियों, एमएसएमई और उद्यमियों को मजबूत बनाएगी तथा भारत की आर्थिक विकास यात्रा को नई गति देगी।

कैट ने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में आर्थिक शासन को अधिक आधुनिक, गतिशील और डेटा आधारित बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी कदम बताया।

यह हाई-फ्रीक्वेंसी इकोनॉमिक बैरोमीटर देश की अर्थव्यवस्था की स्थिति का लगभग वास्तविक समय में आकलन करेगा। इसके लिए जीएसटी संग्रह, यूपीआई लेनदेन, ई-वे बिल, माल ढुलाई, बिजली खपत, बैंकिंग गतिविधियां, डिजिटल कॉमर्स और अन्य महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़ों को एक साथ जोड़ा जाएगा। इससे सरकार को तेजी और अधिक सटीकता के साथ नीतियां बनाने में मदद मिलेगी। साथ ही उभरती आर्थिक चुनौतियों की समय रहते पहचान कर आवश्यक कदम उठाए जा सकेंगे।

कैट के महासचिव और सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डिजिटल इंडिया, जीएसटी, यूपीआई और तकनीक आधारित सुशासन जैसी पहलों के जरिए आर्थिक पारदर्शिता और दक्षता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है।

'हाई-फ्रीक्वेंसी इकोनॉमिक बैरोमीटर' इस परिवर्तनकारी यात्रा का अगला महत्वपूर्ण अध्याय है, जो भारत को दुनिया की सबसे उन्नत और डेटा आधारित अर्थव्यवस्थाओं में शामिल करने की दिशा में बड़ा कदम साबित होगा।

प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि इस पहल का सबसे अधिक लाभ देश के छोटे व्यापारी, रिटेल कारोबारी,

एमएसएमई और उद्यमियों को मिलेगा। आर्थिक रुझानों, उपभोक्ताओं के व्यवहार और बाजार की मांग की समय पर जानकारी मिलने से कारोबारी बेहतर फैसले ले सकेंगे और उनकी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता भी बढ़ेगी। उन्होंने यह भी कहा कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं, आपूर्ति श्रृंखला में बाधाओं, महंगाई के दबाव और भू-राजनीतिक चुनौतियों के दौर में यह बैरोमीटर एक प्रभावी अर्ली वार्निंग सिस्टम की तरह काम करेगा। इससे सरकार समय रहते सुधारात्मक कदम उठा सकेगी।

कैट के अनुसार, यह पहल भारत की आर्थिक नीति निर्माण प्रणाली में एक नए दौर की शुरूआत करेगी। इससे आर्थिक पूर्वानुमान अधिक सटीक होंगे, निवेशकों का भरोसा मजबूत होगा, कारोबार को बढ़ावा मिलेगा और 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करने में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

ट्रांसपोर्ट प्रदर्शनी प्रवास 5 .0 में नई ईआईवी9 इलेक्ट्रिक बस पेश

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 12 जुलाई ।

अपनी फ्लैगशिप मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट प्रदर्शनी प्रवास 5.0 में स्विच मोबिलिटी ने नई ईआईवी9 इलेक्ट्रिक बस पेश की है। कंपनी का लक्ष्य इस बस के माध्यम से इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को आधुनिक बेड़े के लिए एक व्यावहारिक और व्यावसायिक रूप से लाभदायक विकल्प बनाना है। यह बस विशेष रूप से शहरी परिवहन, कर्मचारियों को लाने-ले जाने और स्कूली बच्चों की सुविधा को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। ईआईवी9 को समकालीन शहरी यातायात की जरूरतों के

अनुसार डिजाइन किया गया है, जो इसकी परिचालन दक्षता को बढ़ाता है। इस इलेक्ट्रिक बस में हल्के वजन की बनावट को आधुनिक इलेक्ट्रिक ड्राइवलाइन तकनीक के साथ जोड़ा गया है, जिससे ऊर्जा का अधिकतम उपयोग होता है और संचालन लागत कम आती है।

ग्राहकों की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इसमें कई बैटरी पैक विकल्प उपलब्ध हैं, जिससे ऑपरेटर अपने रूट और जरूरत के हिसाब से वाहन का चयन कर सकते हैं। बस में रीजेनरेटिव ब्रेकिंग और डुअल-गन सीसीएस2 फास्ट चार्जिंग की सुविधा भी है, जिससे यह लंबे समय तक काम करने के लिए तैयार रहती है। ईआईवी9 को पावर देने के लिए इसमें एक परमानेंट मैग्नेट वेरिएबल रिलक्टेंस (पीएमवीआर) मोटर लगी है, जो 213 किलोवॉट तक की पीक पावर प्रदान करती है और सभी तरह की सड़कों पर सुचारु त्वरण तथा बेहतर ड्राइविंग अनुभव देती है। सुरक्षा के मोर्चे पर, इस बस के डिजाइन में आग का पता लगाने और उसे बुझाने वाला सिस्टम (फायर डिटेक्शन एंड सप्रेशन सिस्टम) शामिल किया गया है। साथ ही, आगे और पीछे दोनों पहियों में डिस्क ब्रेक, न्यूमेटिक सस्पेंशन ड्राइवर सीट और डिजिटल ओवीआरएम जैसे महत्वपूर्ण सुरक्षा फीचर्स भी इसमें मौजूद हैं। यात्रियों के आराम को प्राथमिकता देते हुए ईआईवी9 में एक बड़ा और हवादार केबिन, आगे-पीछे पूरी तरह से काम करने वाला एयर सस्पेंशन, बैठने के लिए एर्गोनॉमिक सीटें और प्रत्येक यात्री के लिए अलग से यूएसबी चार्जिंग पॉइंट दिए गए हैं।

संक्षिप्त खबरें

फ्रेडुन फार्मा ने दिए निवेशकों को 2:1 बोनस शेयर और बंपर नतीजे

मुंबई, यूटर्न/ 12 जुलाई । दवा बनाने वाली प्रतिष्ठित कंपनी फ्रेडुन फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड ने अपने निवेशकों को एक बड़ा तोहफा देते हुए 2:1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करने की घोषणा की है। यह फैसला कंपनी के बेहतरीन वित्तीय प्रदर्शन और मुनाफे में जबरदस्त बढ़ोतरी के बाद लिया गया है, जिससे निवेशकों में उत्साह का माहौल है। कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने बीते 25 मई को हुई बैठक में इस बोनस शेयर इश्यू की सिफारिश की थी। इसके लिए रिकॉर्ड डेट और एक्स डेट 16 जुलाई तय की गई है। इस घोषणा के तहत, रिकॉर्ड डेट तक जिस भी निवेशक के पास कंपनी का एक पुराना इक्विटी शेयर होगा, उसे 10 रुपये की फेस वैल्यू वाले दो नए बोनस शेयर मुफ्त में मिलेंगे। यह सुविधा शेयरधारकों के साथ-साथ वारंट होल्डर्स पर भी लागू होगी, बशर्ते उन्हें शेयरधारकों की अंतिम मंजूरी मिल जाए। बोनस शेयर के ऐलान से पहले, कंपनी ने बीती तिमाही में शानदार वित्तीय नतीजे दर्ज किए हैं। सालाना आधार पर कंपनी का मुनाफा 56 प्रतिशत बढ़कर 11 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। वहीं, कुल आमदनी 27 फीसदी बढ़कर 213 करोड़ रुपये रही। इस सफलता के बाद, कंपनी ने निवेशकों को बोनस शेयर के अलावा 0.70 रुपये प्रति शेयर के लाभांश (डिविडेंड) की भी घोषणा की है, जिससे निवेशकों की खुशी दोगुनी हो गई है।

सेबी एनआरआई निवेशकों के लिए केवायसी प्रक्रिया बनाएगा आसान

मुंबई, यूटर्न/ 12 जुलाई । भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) प्रवासी भारतीयों (एनआरआई) के लिए अपने ग्राहक को जानें (केवाईसी) प्रक्रियाओं को और सरल बनाने पर विचार कर रहा है। इसके तहत एनआरआई को बैंक शाखाओं में व्यक्तिगत रूप से जाकर केवाईसी कराने की अनिवार्यता खत्म की जा सकती है, जिससे उन्हें कहीं से भी निवेश करने में सुविधा होगी। यह कदम हाल ही में लागू की गई दोबारा-केवाईसी प्रक्रिया के अनुरूप होगा, जहां जियो-लोकेशन टैगिंग और वीडियो के जरिए डिजिटल सत्यापन को मंजूरी मिली थी, जिससे व्यक्तिगत उपस्थिति की जरूरत खत्म हो गई थी। सूत्रों के मुताबिक सेबी अब पहली बार केवाईसी के लिए भी इसी तरह के डिजिटल उपायों पर विचार कर रहा है। इन उपायों को लागू करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के सहयोग की आवश्यकता होगी। इसमें पासपोर्ट के जरिए सत्यापन और पते से केवाईसी की अनुमति देना शामिल हो सकता है..

तीन स्पा सेंटर में छापा, देह व्यापार में फंसी 23 महिलाएं रेस्क्यू

कौशांबी, यूटर्न/ 12 जुलाई । थाना पुलिस ने वैशाली सेक्टर-4 स्थित व्यावसायिक इमारत में छापा मारकर शनिवार देर रात देह व्यापार में फंसी 23 महिलाओं का रेस्क्यू किया। पुलिस ने तीन स्पा सेंटर पर छापा मारकर छह लोगों को गिरफ्तार किया है। रेस्क्यू की गई महिलाएं 30-40 आयु वर्ग की हैं। यह सभी दिल्ली-एनसीआर, यूपी के अलग-अलग जिलों व अन्य राज्यों की रहने वाली हैं। पुलिस ने सभी के बयान दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। एसीपी इंदिरापुरम सूर्यबली मौर्य ने बताया कि वैशाली सेक्टर-4 में कुछ दिनों से अनैतिक देह व्यापार के संचालित होने की शिकायत स्थानीय लोगों से मिल रही थीं। कई दिन तक पुलिस ने शिकायत की जांच की। शनिवार को जांच रिपोर्ट और मुखबिर की सूचना की पुष्टि हुई तो पुलिस ने देर रात कार्रवाई की। पुलिस की तीन टीमें व्यावसायिक भवन में पहुंची और तीसरे तल पर संचालित तीन स्पा सेंटर पर एक साथ छापा मारा। एसपी ने बताया कि वहां से 23 महिलाओं को रेस्क्यू किया गया है। सभी महिलाएं दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद के कनावनी और कौशांबी, यूपी के अलग-अलग जिले और बिहार समेत अन्य राज्यों की रहने वाली हैं। शुरूआती पूछताछ में सामने आया कि महिलाओं को नौकरी दिलाने का झांसा देकर बुलाया गया था। व्हाट्सएप पर सभी की तस्वीरें ग्राहकों को भेजकर देह व्यापार का धंधा संचालित किया जा रहा था। उन्होंने बताया कि कार्रवाई के दौरान छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से पांच ग्राहक हैं और एक स्पा सेंटर का कर्मचारी है। सभी से पूछताछ की जा रही है और उनके मोबाइल कब्जे में लेकर जांच की जा रही है।

खिड़की से घुसे चोर, 10 तोला सोना और एक लाख नकदी समेत कपड़े तक चुराए

साहिबाबाद, यूटर्न/ 12 जुलाई । टीलामोड़ थानाक्षेत्र के डीएलएफ कॉलोनी निवासी फिटर फेब्रिकेशन कारोबारी गुरुचरन सिंह के मकान की खिड़की काटकर घुसे चोरों ने लाखों की चोरी की। वारदात तीन जुलाई से 9 जुलाई के बीच की है। वारदात के दौरान परिवार रायबरेली गया हुआ था। लौटने पर चोरी का पता चला। चोर नकदी, लाखों के जेवरात, कपड़े व टोंटियां तक निकाल ले गए। घर पहुंचीं गुरुचरन सिंह की बेटी शालीमार सिटी निवासी रेवती की सूचना पर पुलिस पहुंची। 10 जुलाई को पुलिस ने तहरीर मिलने के बाद जांच शुरू की है। पीड़ित रेवती ने बताया कि उनकी एक बहन शिल्पी रायबरेली में रहती है। तीन जुलाई को उनके पति विक्की के एक्सीडेंट का पता चला तो पिता गुरुचरन सिंह, मां परविंदर कौर को लेकर वह रायबरेली के लिए चले गए। कुछ घंटे बाद उनके पास पड़ोसी की कॉल आई और उसने घर से पानी की मोटर चोरी होने की बात बताई। घर के सभी कमरों में सेंट्रल लॉक होने की वजह से सभी निश्चिंत थे। नौ जुलाई को लौटे और उनके घर पहुंचे। 10 जुलाई को मां के कहने पर वह घर की साफ-सफाई कराने के लिए डीएलएफ कॉलोनी पहुंची तो देखा कि चोरों ने घर खाली कर दिया। घर से करीब 10 तोला सोना और एक लाख रुपये भी चोरी हो गए। चोर कपड़े, बर्तन, रसोई का सामान, बाथरूम व घर के अन्य हिस्सों में लगी टोंटिया, इन्वर्टर-बैटरी, टीवी व अन्य सामान चुराकर ले गए। उन्होंने पड़ोसियों और डायल 112 पर सूचना दी। रेवती ने बताया कि तीन जुलाई को ऊपरी मंजिल पर रहने वाले एक व्यक्ति ने चोर को पकड़ा और उसके पास से इन्वर्टर व लंगर की कढ़ाई बरामद हुई..

BEST बस का 100 साल का यादगार सफ़र

राजेश वी. गौड़

बॉम्बे (अब मुंबई) में पहली बस 15 जुलाई 1926 को अफगान चर्च और क्रॉफर्ड मार्केट के बीच चली थी। जुलाई 2026 में BEST की सेवाओं के 100 साल पूरे हो जाएंगे। इस मौके पर हम लेखक और पत्रकार राजेश गौड़ से मिले, जो अंधेरी के रहने वाले हैं और पिछले 30 सालों से जरूरी और दिलचस्प चीजें जमा कर रहे हैं।

वे कहते हैं, 'मैंने बैंकनोट, फि ल्म से जुड़ी यादगार चीजें और क्रिकेट ऑटोग्राफ और कार्ड जमा करना शुरू किया। मेरा ध्यान ऐसी चीजें जमा करने पर है जिनमें कोई गलती हो (जैसे गलत छपाई वाले नोट), ब्रिटिश इंडिया के नोट, फि ल्म की बुकलेट, क्रिकेट कार्ड और ऑटोग्राफ वगैरह।' समय के साथ सभी कलेक्टर अपने कलेक्शन में दूसरी दिलचस्प चीजें भी शामिल करने लगते हैं और राजेश भी ऐसे ही हैं। वे कहते हैं, 'एक दोस्त ने मुझे 1940 के दशक का बस का पुराना टिकट तोहफे में दिया था और उसी से मुझे बस और ट्राम के टिकट जमा करने का शौक लगा। मुंबई की सड़कों पर आखिरी बार ट्राम मई 1964 में चली थी और फिर पब्लिक ट्रांसपोर्ट के इस मशहूर जरिया का सफर खत्म हो गया।' वे उत्साह के साथ आगे कहते हैं, 'इस साल, जुलाई 2026 में मुंबई में इएरळ सेवा के 100 साल पूरे हो रहे हैं।' राजेश गौड़ आम लोगों के लिए बस कंडक्टरों और ड्राइवरों की मेहनत भरी सेवा की बहुत तारीफ करते हैं। वे मुस्कुराते हुए कहते हैं, 'ड्राइवर और कंडक्टर बहुत मेहनत कर रहे हैं और हमारे समाज को बेहतरीन सेवा दे रहे हैं।' राजेश मुस्कुराते हुए कहते हैं, 'इस मौके पर हमें सबके चहेते, पहले बस कंडक्टर फकीर मोहम्मद बाबा को नहीं भूलना चाहिए, जिन्होंने 1926 से लेकर 1957 में रिटायर होने तक सेवा की।'

राजेश को मुंबई की बसों से बहुत लगाव है और यह लगाव उनके कलेक्शन में मौजूद 1940 के दशक के बाद के दुर्लभ बस टिकटों में दिखता है। 'मेरे पास 1940 के दशक के बाद के कुछ दुर्लभ बस टिकट हैं। यही एकमात्र जरिया है जिससे हम पुराने जमाने की बसों से जुड़े रह सकते हैं, जब वे शुरूआती दौर में थीं। समय के साथ टिकट भी बदले हैं और उन पर विज्ञापन भी छपने लगे। मशहूर मैकडॉनल्ड्स ने भी कभी इन पर अपने ब्रांड का विज्ञापन किया था।' वे हंसते हुए बताते हैं, 'जब उनके आउटलेट पर टिकट दिखाया जाता था, तो मैकडॉनल्ड्स मुफ़्त कोका-कोला देता था।' वे आगे बताते हैं, 'बदलाव तो होता ही रहता है। अगस्त 1937 में शुरू हुई डबल-डेकर बसें भी सितंबर 2023 में बंद हो गईं।' वे कहते हैं, 'अब मुंबई की सड़कों पर एयर-कंडीशंड बसें दिखाई देती हैं।'

हमने एल्बम और प्लास्टिक के डिब्बों में रखे राजेश गौड़ के शानदार कलेक्शन को देखने में समय बिताया और हमारे साथ इतना अच्छा समय बिताने के लिए उनका शुक्रिया अदा किया।

दिल्ली से हेरोइन सप्लाई करने आया नाइजीरियन गिरफ्तार

गाजियाबाद, यूटर्न/ 12 जुलाई । सिहानी गेट थाना पुलिस ने दिल्ली से हेरोइन की आपूर्ति करने आए एक नाइजीरियन युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 5.07 ग्राम हेरोइन बरामद की हैं। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह नेहरूनगर में ग्राहक को हेरोइन देने आया था।

कार्यवाहक एसीपी सिहानी गेट प्रियाश्री पाल ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने अशोक नगर कट पर बाइक सवार दो युवकों को रोककर चेकिंग की। तलाशी लेने पर बाइक सवार चिबुजो हेनरी इसीयुजोरो (38) निवासी इजरियल अमंजे क्लोज उमुआहिआ, नाइजीरिया, हाल पता बुद्धा मार्ग मंडावली, फजलपुर पूर्वी दिल्ली के पास से हेरोइन के पांच पैकेट बरामद हुए।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसका भाई रोनाल्ड ओकेचुकु इसुगोजो दिल्ली के एक अस्पताल में हिप रिप्लेसमेंट के लिए भर्ती है, जबकि उसकी पत्नी जेसिका हन्ना बंगलूरू में नर्सिंग की पढ़ाई कर रही है। दोनों के खर्च की जिम्मेदारी उसी पर है।

Image credit: istockphoto.com/LeszekCzerwonka

पुलिस के मुताबिक, आरोपी के साथ मौजूद बाइक चालक ने अपना नाम भारद्वाज तिवारी निवासी ग्राम साहसपुर, थाना कन्हई हनुमानगंज (प्रतापगढ़) हाल पता खोड़ा बताया। भारद्वाज ने बताया कि आरोपी ने सुबह 11 बजे बुद्धा मार्ग, सरस्वती गली मंडावली, नई दिल्ली से नेहरूनगर जाने के लिए बाइक ऑनलाइन बुक की थी। पूछताछ के बाद बाइक चालक को छोड़ दिया गया।

एसीपी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उसे जेल भेजा जा रहा है। आरोपी के पास पासपोर्ट भी नहीं मिला है। हालांकि, उसने दावा किया है कि उसका पासपोर्ट बीमार भाई के पास है।

बिजली के लंबे कट से सोसायटियों में लग रहा जोर का झटका

» गाजियाबाद, यूटर्न/ 12 जुलाई

चिपचिपी गर्मी में बिजली के लंबे कटों से सोसायटियों को जोर का आर्थिक झटका लग रहा है। बिजली जाने पर लंबे समय तक डीजी सेट चलाने से हजारों लीटर डीजल प्रतिदिन फूंकना पड़ रहा है। इससे एक दिन में कई लाख रुपये तक का खर्च आ रहा है। इससे निवासियों पर भी आर्थिक बोझ बढ़ गया है। क्रॉसिंग रिपब्लिक स्थित जीएच-7 के एओए अध्यक्ष रोहित चौधरी का कहना है कि यहां तार बदले जा रहे हैं। इस कारण हर दूसरे दिन बिजली विभाग रोस्टर के तहत 10 से 2 बजे तक आपूर्ति बंद कर रहा है, लेकिन यह लाइट कभी दो बजे नहीं आती। पांच से छह बजे तक आती है। ऐसे में हर दूसरे दिन सात से आठ घंटे लगातार डीजी सेट चलाना पड़ रहा है। बुधवार को तो बक्सा फुंकने के कारण रात दो बजे गई लाइट बृहस्पतिवार को ढाई बजे आई। 12.30 घंटे तक व्यवस्था को सुचारु रूप से चलाने के लिए लगातार डीजी सेट चलाना पड़ा। इतने समय में चार लाख रुपये का डीजल फुंक गया। कुल चार हजार लीटर की खपत हुई। बिजली कटों के कारण पिछले एक महीने में हम सात से आठ लाख का डीजल फूंक चुके हैं। प्रत्येक निवासी से 17 रुपये प्रति यूनिट के हिसाब से उनका खर्चा भी बढ़ गया है।

राजनगर एक्सटेंशन की सेवी विला डे सोसायटी में मंगलवार को बिजली विभाग का पीटी फुंकने से आठ घंटे बाद लाइट आई।

एओए सचिव सत्यजीत कहते हैं कि इस दौरान लगातार डीजी सेट चलने से दो लाख से अधिक का डीजल फुंक गया। उनका कहना है कि लंबे कटों से सोसायटियों पर आर्थिक बोझ बढ़ा दिया है। एक तो डीजल मिलने में दिक्कत है, ऊपर से बढ़ी खपत ने और परेशानी बढ़ा दी है। गुलमोहर गॉर्डन के एओए सचिव एओए कोषाध्यक्ष पीके सिंह का कहना है कि एक तो लंबे कटों आर्थिक बोझ बढ़ गया है।

बिना अनुमति की खुदाई, धंसी सड़कें, दो ठेकेदारों के खिलाफ पुलिस को शिकायत

» फरीदाबाद, यूटर्न/ 12 जुलाई ।

फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एफएमडीए) ने बिना अनुमति के सड़कों के नीचे पाइपलाइन और बिजली की केबल बिछाने के लिए की गई अवैध खुदाई पर सख्त रुख अपनाया है। प्राधिकरण ने सड़कों का निरीक्षण शुरू कर कार्रवाई शुरू कर दी है। जांच में ठेकेदारों की लापरवाही सामने आने पर एफएमडीए ने दो ठेकेदारों के खिलाफ पुलिस को शिकायत दी है।

जांच के दौरान सेक्टर-89 के टीडीआई बिल्डर क्षेत्र और सेक्टर-80 स्थित डिस्कवरी पार्क सोसाइटी के बाहर सड़क धंसने के मामलों में अनियमितताएं सामने आईं। प्रारंभिक जांच में पता चला कि बिल्डरों के ठेकेदारों ने एफएमडीए से अनुमति लिए बिना सड़क के नीचे पाइप लाइन और बिजली की केबल डालने के लिए खुदाई की थी। ठेकेदारों ने खुदाई के बाद सड़क की मरम्मत भी निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुसार नहीं की। लगातार बारिश से सड़क के नीचे की मिट्टी बह गई और सड़क धंस गई।

भूमिगत सेवाएं बिछाने के लिए अनुमति जरूरी

एफएमडीए के कार्यकारी अभियंता केएस पठानिया ने बताया कि किसी भी सड़क के नीचे पाइप लाइन, बिजली की केबल या अन्य भूमिगत सेवाएं बिछाने से पहले प्राधिकरण से अनुमति लेना अनिवार्य होता है। साथ ही खुदाई के बाद सड़क को तय मानकों के अनुरूप बहाल करना भी संबंधित एजेंसी की जिम्मेदारी होती है। नियमों की अनदेखी से सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचने के साथ आम लोगों की जान भी जोखिम में पड़ जाती है। मामले को गंभीर मानते हुए एफएमडीए ने दोनों स्थानों पर संबंधित बिल्डरों के ठेकेदारों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दी है। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में बिना अनुमति सड़क काटने या भूमिगत कार्य करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही प्राधिकरण शहर की अन्य प्रमुख सड़कों का निरीक्षण भी शुरू कर दिया है।

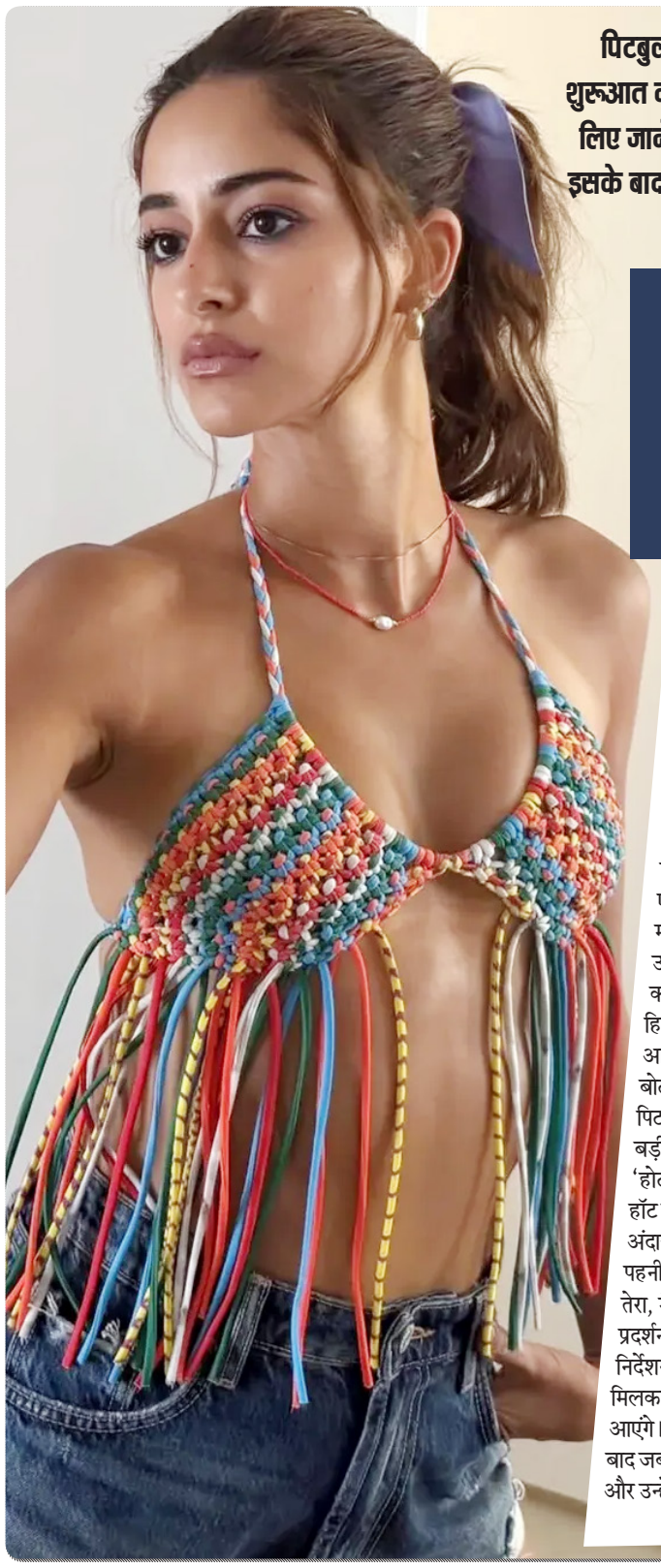

पिटबुल ने अपने संगीत करियर की शुरूआत 2000 के दशक की शुरूआत में की थी। वह रेगेटन, लैटिन हिप-हॉप और क्रंक संगीत के लिए जाने जाते हैं। उनका पहला एल्बम 'एम.आई.ए.एम.आई.' था। इसके बाद उनके एल्बम 'एल मारिएल' और 'द बोटलिफ्ट' भी काफी लोकप्रिय हुए और बिलबोर्ड 200 की सूची में शामिल हुए।

पिटबुल के कॉन्सर्ट में झूमीं अनन्या पांडे, गाया kरेन ओवर मी। सॉन्ग

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे ने हाल ही में विंबलडन 2026 पुरुष एकल सेमीफाइनल का मुकाबला देखा। इसके बाद उन्होंने क्यूबा-अमेरिकी रैपर पिटबुल के कॉन्सर्ट का आनंद लेते हुए अपनी कुछ झलकियां भी सोशल मीडिया पर साझा की। अपनी सोशल मीडिया स्टोरी में अनन्या पांडे ने पहले विंबलडन मुकाबले की कुछ झलकियां साझा कीं। इसके बाद उन्होंने पिटबुल के कॉन्सर्ट से एक वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में वह अन्य प्रशंसकों के साथ वर्ष 2011 के लोकप्रिय गीत 'रेन ओवर मी' पर झूमती और गाती नजर आईं। इस वीडियो के साथ अनन्या पांडे ने कैप्शन में लिखा, 'पिटबुल एट द पार्क।' 'रेन ओवर मी' पिटबुल का लोकप्रिय गीत है, जो उनके छठे स्टूडियो एल्बम 'प्लैनेट पिट' का हिस्सा है। इस गीत में प्यूर्टो रिको-अमेरिकी गायक मार्क एंथनी ने भी अपनी आवाज दी है। इस गीत को पिटबुल, मार्क एंथनी और उनके सहयोगी गीतकारों ने मिलकर लिखा था। पिटबुल ने अपने संगीत करियर की शुरूआत 2000 के दशक की शुरूआत में की थी। वह रेगेटन, लैटिन हिप-हॉप और क्रंक संगीत के लिए जाने जाते हैं। उनका पहला एल्बम 'एम.आई.ए.एम.आई.' था। इसके बाद उनके एल्बम 'एल मारिएल' और 'द बोटलिफ्ट' भी काफी लोकप्रिय हुए और बिलबोर्ड 200 की सूची में शामिल हुए। पिटबुल के चौथे एल्बम 'पिटबुल स्टारिंग इन रेबेल्यूशन' ने उन्हें मुख्यधारा में बड़ी पहचान दिलाई। इस एल्बम के 'आई नो यू वांट मी (कैले ओचो)' और 'होटल रूम सर्विस' जैसे गीत काफी लोकप्रिय हुए। इससे पहले अनन्या पांडे पेरिस हॉट कूचर वीक में शामिल हुई थीं। इसके बाद वह विंबलडन में भी बेहद आकर्षक अंदाज में नजर आईं। मैच के दौरान उन्होंने चमकीले लाल रंग की पॉपलिन ड्रेस पहनी हुई थी। अभिनय की बात करें तो अनन्या पांडे की हालिया फिल्में 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' और 'चांद मेरा दिल' बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकीं। 'चांद मेरा दिल' एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन विवेक सोनी ने किया है। इसकी कहानी विवेक सोनी और तुषार परांजपे ने मिलकर लिखी है। फिल्म में अनन्या पांडे के साथ लक्ष्य भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म कॉलेज में प्यार करने वाले एक जोड़े की कहानी है। बड़े होने के बाद जब दोनों नई जिम्मेदारियों का सामना करते हैं, तो उनके रिश्ते की परीक्षा होती है और उन्हें प्यार के बारे में अपनी सोच पर दोबारा विचार करना पड़ता है।

आकांक्षा चमोला अब अकेली गुजारेंगी अपनी जिंदगी

छोटे परदे की लोकप्रिय अभिनेत्री आकांक्षा चमोला के हाल ही दिए गए एक बयान से उनके फैंस हैरान है। अभिनेता गौरव खन्ना से तलाक के बाद आकांक्षा ने कहा है कि वह अब दोबारा शादी नहीं करेंगी और अपनी बाकी की जिंदगी अकेले ही गुजारने की इच्छा रखती हैं। यह घोषणा उन्होंने नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो के ताजा एपिसोड में अपनी करीबी दोस्त और सह-प्रतियोगी पामेला सेरेना के साथ बातचीत के दौरान की। आकांक्षा के इस निर्णय ने उनके प्रशंसकों और शो के दर्शकों के बीच नई बहस छेड़ दी है, क्योंकि यह एक सार्वजनिक हस्ती के लिए एक साहसिक कदम है। शो में आकांक्षा अपनी दोस्त पामेला सेरेना के साथ जेल की कोठरी में अपनी जिंदगी के बारे में दिल की बातें साझा कर रही थीं। उन्होंने पामेला को बताया कि जब उनकी शादी गौरव खन्ना से हुई थी, तब उनकी उम्र केवल 24 साल थी। इस पर पामेला ने उन्हें प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वह अभी भी युवा हैं और उन्हें आगे चलकर कोई अच्छा जीवनसाथी मिल सकता है। लेकिन आकांक्षा ने दृढ़ता से जवाब दिया, नहीं, मैं दोबारा शादी नहीं करना चाहती। मेरा मन अब शादी से भर गया है। उनके इस बयान में उनकी पिछली अनुभवों की गहरी छाप महसूस की जा सकती है। उन्होंने आगे कहा, लेकिन जिंदगी में पहली बार मैं अकेले रहूंगी। न मैं अपने माता-पिता के घर रहूंगी और न ही पति के घर। मेरा अपना घर होगा और मैं आगे की ज़िंदगी अकेले ही बिताऊंगी। यह बयान आकांक्षा की स्वतंत्रता और आत्म-निर्भरता की ओर बढ़ने की इच्छा को दर्शाता है, जो कई महिलाओं के लिए प्रेरणादायक हो सकता है। फिलहाल, लॉक अपः सच या सजा का दूसरा सीजन फराह खान और रितेश देशमुख होस्ट कर रहे हैं, जिसमें आकांक्षा चौधरी, योगेश रावत, सुनीता आहूजा, राम कपूर, श्रेया कालरा, शिवांगी जोशी, हर्षद चोपड़ा, सूफी मोतीवाला, धीरज धूपर, माधुरी जैन ग्रोवर, रियाज अली और वरुण यादव उर्फ लैला जैसे कई लोकप्रिय चेहरे प्रतियोगी के तौर पर नजर आ रहे हैं। लॉक अप का प्रारूप ही ऐसा है जहाँ प्रतियोगियों को अपने गहरे राज और व्यक्तिगत सच सामने लाने पड़ते हैं।

भारत के खिलाफ 4-0 से जीतना बड़ी उपलब्धि, सभी खिलाड़ियों के योगदान से बने नंबर एक: जोस बटलर

» साउथैम्पटन, यूटर्न/ 12 जुलाई ।

इंग्लैंड के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर ने भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में 4-0 की शानदार जीत को टीम के लिए बड़ी उपलब्धि बताया है। उन्होंने कहा कि इस सफलता में हर खिलाड़ी का अहम योगदान रहा। पांचवें टी20 में भारत को 56 रनों से हराने के साथ ही इंग्लैंड आईसीसी रैंकिंग में अब विश्व की नंबर एक टीम बन गई है।

इंग्लैंड ने भारत की 1600 से ज्यादा दिनों की बादशाहत को खत्म करते हुए नंबर एक टी20 टीम का तमगा हासिल किया। बटलर ने कहा कि यह एक बड़ी कामयाबी है जो सभी खिलाड़ियों के योगदान से मिली है। पांचवें टी20 में बटलर का बल्ला जमकर गरजा और उन्होंने सिर्फ 64 गेंदों का सामना करते हुए 131 रनों की विस्फोटक पारी खेली।

अपनी इस दमदार पारी के लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। बटलर ने हैरी ब्रूक के साथ दूसरे विकेट के लिए 233 रन की रिकॉर्ड साझेदारी निभाई। ब्रूक ने 45 गेंदों में नाबाद 95 रन बनाए।

दोनों की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत इंग्लैंड ने 20 ओवर में 257 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में भारत की टीम 8 विकेट खोकर 201 रन ही बना सकी। मैच के बाद बटलर ने कहा कि वह अपनी इस पारी से बेहद खुश हैं। उन्होंने माना कि पिछले कुछ समय से उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं था, लेकिन अब दोबारा लय में लौटकर अच्छा महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बड़े टूर्नामेंट से पहले फॉर्म में वापसी आत्मविश्वास बढ़ाने वाली बात है। बटलर ने कहा कि

आईपीएल में खेलने से उन्हें अपने खेल को बेहतर समझने में मदद मिली और इंग्लैंड की जर्सी में अच्छा प्रदर्शन करना हमेशा खास होता है। बटलर ने हैरी ब्रूक की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि वह लगातार गेंदबाजों पर दबाव बनाते हैं और उनके साथ बल्लेबाजी करना बेहद आसान रहता है।

अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर एंटोनियो रैटीन का 89 साल की उम्र में निधन

» ब्यूनस आयर्स, यूटर्न/ 12 जुलाई ।

अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर और पूर्व कप्तान एंटोनियो उबाल्डो रैटीन का 89 साल की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन से अर्जेंटीना और विश्व फुटबॉल जगत में शोक की लहर है। रैटीन की गिनती देश के सबसे बेहतरीन मिडफील्डरों और कप्तानों में की जाती थी। उन्होंने 1959 से 1969 तक अर्जेंटीना की नेशनल टीम का प्रतिनिधित्व किया और 1962 तथा 1966 के फीफा विश्व कप में भी हिस्सा लिया। अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) ने उनके निधन पर गहरा दुख जताया है। एसोसिएशन ने एक बयान में कहा गया, 'अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन अपने अध्यक्ष क्लाउडियो तापिया के जरिए एंटोनियो उबाल्डो रैटीन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करता है। वे अर्जेंटीना की नेशनल टीम के इतिहास के सबसे बड़े प्रतीकों में से एक और अर्जेंटीना फुटबॉल के निर्विवाद आइकन थे, जिनका आज 89 साल की उम्र में निधन हो गया।'

रैटीन 1966 में इंग्लैंड में हुए वर्ल्ड कप में अर्जेंटीना के कप्तान थे और एक ऐसी घटना के मुख्य पात्र थे जो हमेशा के लिए विश्व फुटबॉल की यादों में बस गई। मेजबान देश के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच में उन्हें जर्मन रेफरी रुडोल्फ क्रेटलिन ने मैदान से बाहर भेज दिया था, जबकि उस समय येलो और रेड कार्ड का सिस्टम नहीं

था। उन्हें लगा कि उनके साथ अन्याय हुआ है और वे रेफरी का फैसला समझ नहीं पा रहे थे, इसलिए मैदान छोड़ने से पहले रैटीन ने एक अनुवादक की मांग की। उनके मैदान से न हटने के कारण एक ऐतिहासिक दृश्य बना: वे महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के लिए आरक्षित रेड कार्पेट पर बैठ गए और स्टेडियम से निकलने से पहले उन्होंने ब्रिटिश झंडे को मरोड़ दिया। उस घटना का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इतना असर हुआ कि कुछ साल बाद 1970 के वर्ल्ड कप में फीफा ने रेफरी की पेनल्टी या सजा को पहचानने के लिए आधिकारिक तौर पर कार्ड सिस्टम लागू किया। 'रैटीन सिर्फ एक यादगार घटना से कहीं ज्यादा थे। वे फुटबॉलरों की उस पीढ़ी के प्रतीक थे जो नेशनल टीम की जर्सी को पूरी प्रतिबद्धता मानती थी, जहां नेतृत्व मिसाल कायम करके, त्याग करके और देश का प्रतिनिधित्व करने के गर्व के साथ किया जाता था।' बयान में आगे कहा गया, 'रैटीन के निधन के साथ अर्जेंटीना की नेशनल टीम के इतिहास के सबसे महान कप्तानों में से एक हमारे बीच नहीं रहे। एक ऐसा फुटबॉलर जिसने अपने स्वभाव को अपनी पहचान बनाया और विश्व फुटबॉल की यादों पर एक अमिट छाप छोड़ी। अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन के इतिहास में और उन सभी लोगों की यादों में उनकी विरासत हमेशा बनी रहेगी जो यह समझते हैं कि अर्जेंटीना की जर्सी पहनने का मतलब सिर्फ मैच खेलना नहीं बल्कि पूरे देश का प्रतिनिधित्व करना है। एंटोनियो रैटीन इन चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल रहे।' उन्होंने अपना पूरा करियर ब्यूनस आयर्स के क्लब बोका जूनियर्स के साथ बिताया और 1956 से 1970 के बीच 382 मैच खेले, जिसमें उन्होंने 28 गोल किए, चार लीग खिताब जीते और 1963 में कोपा लिबटाडोरेस के फाइनल तक पहुंचे। खिलाड़ी के तौर पर रिटायर होने के बाद रैटीन ने राजनीति में आने से पहले कुछ समय के लिए बोका के कोच के तौर पर भी काम किया।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

वियतनाम सरकार ने नाव हादसे की विस्तृत जांच के दिए आदेश, घटना में 15 भारतीयों की मौत

» **हनोई, यूटर्न/ 12 जुलाई ।**

वियतनाम के प्रधानमंत्री ले मिन्ह हंग ने फु क्वोक आइलैंड के पास स्पीडबोट पलटने की घटना की पूरी जांच के आदेश दिए हैं। इस हादसे में 15 भारतीय टूरिस्ट की मौत हो गई थी। साथ ही, उन्होंने भरोसा दिलाया है कि इस हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय मीडिया आउटलेट तुओई ट्रे न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, घटना के बाद जारी एक आधिकारिक मैसेज में प्रधानमंत्री क्वोक ने मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना जताई और मंत्रालयों, सरकारी एजेंसियों और स्थानीय

अधिकारियों को सभी मौजूद मेडिकल रिसोर्स, दवाइयां और इमरजेंसी मदद पहुंचाने का निर्देश दिया। अधिकारियों के अनुसार, रजिस्ट्रेशन नंबर एजी-26751 वाली स्पीडबोट, 32 भारतीय टूरिस्ट, तीन क्रू मेंबर और एक वियतनामी टूर गाइड को मई रुट नगोई आइलेट से एन थोई इंटरनेशनल पोर्ट ले जा रही थी, जब दोपहर करीब 1 बजे तेज हवाओं के कारण यह किनारे से करीब 400 मीटर दूर पलट गई। बचाव दल ने तुरंत ऑपरेशन शुरू किया और दोपहर 3:30 बजे तक, उन्होंने जहाज पर सवार सभी 36 लोगों को रेस्क्यू किया। उनमें से 21 लोग जिंदा बचे थे, जबकि हादसे में 15 भारतीय पर्यटकों की मौत की पुष्टि हुई। एन गियांग प्रांत के अधिकारियों के अनुसार, बरामद की गई पांच लाशों को किएन गियांग जनरल हॉस्पिटल में रखा गया है, जबकि बाकी 10 को हो ची मिन्ह सिटी के चो रे हॉस्पिटल में ट्रांसफर कर दिया गया है। अधिकारी पहचान और दूसरी जरूरी प्रक्रियाएं पूरी कर रहे हैं। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने एन गियांग प्रोविंशियल एडमिनिस्ट्रेशन को घायलों के इलाज के लिए सभी मौजूद स्वास्थ्य सुविधाओं और इमरजेंसी रिसोर्स को जुटाने, मरने वालों के परिवारों को हर मुमकिन मदद देने और हादसे के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष, दोनों कारणों की पूरी जांच करने का निर्देश दिया, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। हादसे के बाद जारी किए गए निदेशों के तहत, कंस्ट्रक्शन मिनिस्ट्री को एक्सीडेंट वाली जगह के साथ-साथ ऐसे ही ऑपरेशनल हालात वाले दूसरे इलाकों में इनलैंड वॉटरवे ट्रांसपोर्ट सेफ्टी की डिटेल्ड जांच करने के लिए कहा गया है।

पीओके में बड़ी कार्रवाई करने जा रहे मुनीर, मांग 4000 जवान

इस्लामाबाद, यूटर्न/ 12 जुलाई । पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में 15 जुलाई को होने वाले बड़े विरोध प्रदर्शनों और लॉन्ग मार्च से पहले वहां की स्थानीय कठपुतली सरकार के हाथ-पांव फूल गए हैं। क्षेत्र में बड़े पैमाने पर होने वाले प्रदर्शन और अशांति को दबाने के लिए स्थानीय प्रशासन ने पाकिस्तान की सरकार से हजारों अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तत्काल तैनाती की मांग की है। एक गोपनीय आधिकारिक दस्तावेज के हवाले से बताया जा रहा है कि वहां के गृह विभाग ने इस्लामाबाद से 4,000 जवानों और पाकिस्तान रेंजर्स की सात विंग्स की तत्काल तैनाती की गुहार लगाई है। यह आपातकालीन कदम हाल के हफ्तों में संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के प्रमुख नेता शौकत नवाज मीर और सैकड़ों अन्य कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के बाद भड़के भयंकर जन आक्रोश की वजह से उठाया गया है। पाकिस्तान के गृह मंत्रालय के सचिव को 8 जुलाई को भेजा गया यह पत्र बेहद संवेदनशील है, जिस पर अति आवश्यक और गोपनीय लिखा गया है। यह आदेश साफ तौर पर दर्शाता है कि पाकिस्तान समर्थित स्थानीय प्रशासन जेएएसी द्वारा चलाए जा रहे इस आंदोलन से बुरी तरह घबराया हुआ है।

कनाडा में फेस्टिवल के दौरान गोलीबारी, 2 की मौत, कई घायल

टोरंटो, यूटर्न/ 12 जुलाई । कनाडा के टोरंटो में सबसे बड़े लैटिन स्ट्रीट फेस्टिवल साल्सा ऑन सेंट क्लेयर के दौरान हुई गोलीबारी से हड़कंप मच गया। इस हमले में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। स्थानीय पुलिस के मुताबिक, यह घटना उस समय हुई जब सैकड़ों लोग 22 सालों से आयोजित हो रहे इस लोकप्रिय फेस्टिवल में इकट्ठा हुए थे। शनिवार को लोग यहां एकत्र हुए थे, तभी अचानक गोलीबारी शुरू हो गई। हमलावर वारदात को अंजाम देने के बाद घटनास्थल से फरार हो गए, जिनकी तलाश पुलिस ने शुरू कर दी है। पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया और पूरे इलाके को सुरक्षित कर लिया है। हालांकि, हमलावरों की संख्या और पहचान अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाई है, और लोगों को सुरक्षित रहने के लिए कहा गया है। ओंटारियो के प्रीमियर डाउग फोर्ड ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतकों को श्रद्धांजलि दी है।

फिर जंग: ईरान के कई शहरों में हुए धमाके, होर्मुज भी ठप

तेहरान, यूटर्न/ 12 जुलाई । मध्य पूर्व में एक बार फिर युद्ध जैसी स्थिति बनती दिख रही है, जहां खामेनेई के अंतिम संस्कार के बाद ईरान और अमेरिका के बीच तनाव अपने चरम पर पहुंच गया है। हाल ही में ईरान के कई शहरों - बुशहर, असालुयेह और जास्कर - में देर रात धमाकों की खबरें सामने आई हैं, जिसके बाद इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद करने की चेतावनी दे दी है। दूसरी ओर, अमेरिका ने ईरान पर साइप्रस-ध्वजा वाले जहाज एम/वी जीएफएस गैलेक्सी पर हमला करने का आरोप लगाया है, जिससे एक चालक दल का सदस्य लापता बताया जा रहा है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के अनुसार, होर्मुज से गुजरते समय हुए इस हमले के बाद अमेरिका ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई का तीसरा दौर शुरू कर दिया है, जिसके परिणामस्वरूप ईरानी शहरों में धमाके सुने गए।

वियतनाम नाव हादसे के मृतकों के शव पहुंचेंगे हो ची मिन्ह

औपचारिकताओं के बाद पार्थिव शरीर लाए जाएंगे भारत

» **हनोई, यूटर्न/ 12 जुलाई ।**

वियतनाम में भारतीय दूतावास ने फु क्वोक द्वीप के पास हुए पर्यटक नौका हादसे में मारे गए भारतीयों के पार्थिव शरीर स्वदेश लाने की प्रक्रिया को लेकर ताजा जानकारी साझा की है। घटना के 15 मृतकों का शव भारतीय समयानुसार रविवार शाम तक हो ची मिन्ह सिटी पहुंच जाएगा। इसके बाद सारी औपचारिकताओं के बाद शवों को जल्द से जल्द भारत भेजा जाएगा।

वियतनाम में भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'कल हुए नाव हादसे में मारे गए 15 भारतीय नागरिकों के शव हो ची मिन्ह सिटी ले जाए जा रहे हैं और आज शाम तक वहां पहुंच जाएंगे। हो ची मिन्ह में औपचारिकता पूरी होने के बाद पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द भारत ले जाया जाएगा।'

भारतीय दूतावास ने आगे लिखा, 'दूतावास और वाणिज्य दूतावास की टीमें वियतनामी अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रही हैं, जिन्होंने पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द भारत पहुंचाने के लिए हर तरह की मदद का भरोसा दिया है।' इसके अलावा, हादसे में घायल एक भारतीय की हालत में सुधार हो रहा है, जबकि बचाए गए पर्यटक रविवार को भारत लौटेंगे। रविवार सुबह 7:30 बजे जारी आधिकारिक अपडेट के अनुसार, हादसे में जीवित बचे किशोर का वियतनाम के एक सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा है और उनकी स्थिति लगातार बेहतर हो रही है।

भारतीय दूतावास ने शवों को भारत लाने की प्रक्रिया के लिए अधिकृत एजेंसी का चयन कर लिया है। अधिकारियों के अनुसार, शवों को स्वदेश भेजने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। अधिकारियों ने बताया कि अधिकृत एजेंसी रविवार को मृतकों के परिजनों से संपर्क करेगी, ताकि पार्थिव शरीर भारत भेजने के लिए आवश्यक प्राधिकरण और औपचारिकताएं पूरी की जा सकें। इस बीच, हादसे में बचाए गए पर्यटक रविवार को अपने-अपने गृह नगरों के लिए रवाना होंगे। उनकी यात्रा के लिए विमान टिकट की व्यवस्था संबंधित मोबाइल सेवा प्रदाता ने की है। अधिकारियों ने कहा कि टीम आंध्र प्रदेश भवन भारतीय दूतावास के साथ मिलकर काम कर रही है और प्रभावित लोगों की सुरक्षित वापसी की प्रक्रिया पूरी होने तक सभी जरूरी मदद देने के लिए स्थिति पर नजर रख रही है।

संक्षिप्त खबरें

रूस का नया एसयू-30एसएम2 फाइटर जेट, दुनिया में खलबली

मॉस्को, यूटर्न/ 12 जुलाई ।

ईरान में चल रही जंग ने हथियारों की होड़ को एक बार फिर से तेज कर दिया है, जिससे दुनिया के तमाम देश फाइटर जेट, मिसाइल और ड्रोन के विकास व खरीद में जुट गए हैं। इस वैश्विक परिदृश्य में अमेरिका और रूस जैसे बड़े हथियार निर्यातक अत्याधुनिक तकनीक वाले फाइटर जेट्स, मिसाइलों और एयर डिफेंस सिस्टम पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इसी क्रम में, रूसी एयरोस्पेस फोर्सेज को एक नया एसयू-30एसएम2 बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान मिला है, जिसमें कई आधुनिक खासियतें हैं। विशेष रूप से इसके रडार सिस्टम की काफी चर्चा हो रही है, जिसे राफेल जेट से भी ज्यादा ताकतवर बताया जा रहा है।

समंदर में अमेरिकी बादशाहत को चीन की फुजियान चुनौती

बीजिंग, यूटर्न/ 12 जुलाई ।

समंदर में अमेरिका की बादशाहत को चीन चुनौती दे रहा है। अपनी ब्लू वॉटर नेवी के सपने को साकार करने की दिशा में, चीन ने अपना तीसरा और पूरी तरह स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर फुजियान लांच किया है। यह युद्धपोत एक ऐसी सक्रिय एंटी-टॉरपीडो प्रणाली (एटीटी) से लैस हो सकता है, जो दुश्मन के टॉरपीडो को समुद्र के भीतर ही नष्ट करने में सक्षम होगी। यदि ऐसा होता है, तब फुजियान दुनिया का पहला ऐसा एयरक्राफ्ट कैरियर बन जाएगा, जिस पर इस तरह का हार्ड-किल अंडरवॉटर डिफेंस सिस्टम तैनात होगा, जो अमेरिकी पनडुब्बियों से उत्पन्न होने वाले खतरे का सीधा और प्रभावी जवाब होगा। चीन का मानना है कि आधुनिक टॉरपीडो बड़े युद्धपोतों के लिए एंटी-शिप मिसाइलों से भी अधिक घातक साबित हो सकते हैं।

नेतन्याहू के बेटे ने अपने नाम से पिता का सरनेम हटाया

टैक्स से बचने के लिए कर दिया बड़ा कांड

» **तेल अवीव, यूटर्न/ 12 जुलाई ।**

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के परिवार से जुड़ा एक और नया विवाद सामने आया है। नेतन्याहू के बड़े बेटे यायर नेतन्याहू ने अपना नाम बदलकर योनातन हुन कर लिया है।

फ्लोरिडा में रह रहे युवा नेतन्याहू ने अपने पिता का सरनेम हटा दिया है और इसके बदले में अपने पूर्वजों के नाम हुन का इस्तेमाल किया है। लीक हुए डेटा के मुताबिक, नेतन्याहू के बेटे ने यह बदलाव पिछले दो सालों के दौरान ही किया है, क्योंकि 2024 में टैक्स भरते समय उन्होंने अपने जन्म वाले नाम का ही प्रयोग किया था, लेकिन 2026 में जब उन्होंने टैक्स फाइलिंग की, तो अपना नाम बदलकर योनातन हुन कर लिया था।

इजरायली मीडिया के अनुसार, नेतन्याहू परिवार पहले से ही टैक्स और भ्रष्टाचार के मामलों में फंसा हुआ है। ऐसे में प्रधानमंत्री के बड़े बेटे के इस कदम को भी संदेह की नजर से देखा जा रहा है। हालांकि, अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि 34 वर्षीय एक्टिविस्ट और पीएम नेतन्याहू के बेटे ने किन वजहों से यह नाम बदला है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने अपने नाम में यह बदलाव अपने मौजूदा नेशनल आइडेंटिफिकेशन नंबर के तहत एक रेगुलेटरी अपडेट के रूप में किया है। इसमें उन्होंने अपना रेसिडेंशियल एड्रेस बाल्फोर 0 के नाम से दिया है, जो इजरायल के प्रधानमंत्री आवास की तरफ इशारा करता है।

अमेरिका पर भड़का ईरान कहा दोनों हाथों से बजती है ताली

» **तेहरान, यूटर्न/ 12 जुलाई ।**

ईरान ने हाल ही में अमेरिका पर जून में हुई यथास्थिति बनाए रखने की सहमति का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है, और इस बात पर जोर दिया है कि ताली दोनों हाथों से बजती है। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अगार्ची ने युद्धविराम डील भंग होने के बाद खाड़ी क्षेत्र में बढ़े तनाव के बीच शनिवार को सोशल मीडिया पर अपना आक्रोश व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि ईरान ने अपनी प्रतिबद्धताएं पूरी की हैं, लेकिन तथाकथित अमेरिकी वित्त मंत्री समझौता ज्ञापन (एमओयू) के पैरा 9 का उल्लंघन कर रहे हैं। अगार्ची ने इस घटना को अमेरिका द्वारा किए गए पिछले उल्लंघनों और गलत कदमों की श्रृंखला में एक और कड़ी बताते हुए कहा कि वास्तविकता यह है कि अनुपालन तभी संभव है जब दोनों पक्ष इसे पारस्परिक रूप से निभाएं। उल्लेखनीय है कि 19 जून को ईरान और अमेरिका के राष्ट्रपतियों के बीच हुए समझौते के पैरा 9 में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि अंतिम समझौता होने तक दोनों पक्ष यथास्थिति बनाए रखेंगे।

इसके तहत, ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को वर्तमान स्थिति में रखेगा, जबकि अमेरिका ईरान पर कोई नया प्रतिबंध नहीं लगाएगा और न ही क्षेत्र में अपनी सैन्य उपस्थिति या सैन्य बलों को मजबूत करेगा। हालांकि, आठ जुलाई को अंकारा में नाटो की बैठक के दौरान, अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान के नेतृत्व की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए उसके साथ बातचीत को समय की बबार्दी बताया और समझौते से हटने की घोषणा कर दी।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619

* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *